CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-29
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

हार कभी स्वीकार मत करो, हमेशा जीतने की कोशिश करो।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, सोमवार 05 मई 2025

राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने शुरू की लव जिहाद मामले की जांच

भोपाल। राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम लव जिहाद मामले में जांच के लिए भोपाल पहुंच गई है। राजधानी भोपाल में एक निजी कॉलेज की छात्राओं को लव जिहाद में फंसाने के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने जांच शुरू कर दी है। तीन सदस्यीय टीम में झारखंड की पूर्व डीजीपी निर्मल कौर के नेतृत्व में जांच कर रही है। इस टीम में जबलपुर हाईकोर्ट की अधिवक्ता निर्मला नायक और आयोग के अवसर सचिव आशतोष पांडे सदस्य के रूप में शामिल हैं। टीम ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों से केस की मौजूदा स्थिति (केस स्टेटस) की जानकारी ली। टीम ने रविवार को भी पुलिस के अधिकारियों से की जानकारियां ली। इसके आधार पर न केवल पीड़ित छात्राओं से मुलाकात कर उनके बयान दर्ज किए जाएंगे, बल्कि पुलिस से भी केस की दिशा और कार्रवाई को लेकर जरूरी सवाल किए जा सकते हैं। जानकारी के अनुसार, आयोग की टीम केस में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करने के साथ ही जांच की निष्पक्षता और पीड़िताओं को मिली सुरक्षा को लेकर भी जांच करेगी। इस आधार पर टीम अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों से नये-नये खुलासे हो रहे हैं। आरोपी नबील ने पुलिस को बताया कि छात्राओं को गलत मंशा से रूम पर बुलाया जाता था। आरोपियों ने शहर के आसपास अपने अड्डे बना रखे थे। अब पुलिस शहर के आसपास के दूसरे जिलों में भी गिरोह का नेटवर्क फैला होने के एंगल से भी जांच कर रही है। साथ ही एक आरोपी अली के पास महंगे गैजेट्स पुलिस को मिले हैं। इसमें एप्पल मैकबुक, आईफोन जैसे महंगे गैजेट्स शामिल हैं। आरोपी पूछताछ में इनको लेकर कुछ नहीं बता पा रहा है। अब पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इतने महंगे गैजेट्स आए कहां से आए?

कानपुर में भीषण अग्निकांड

हथौड़े से तोड़ीं दीवारें...

धुएं से सांस लेना हुआ मुश्किल, पांच की मौत

कानपुर के चमनगंज थाना इलाके में घनी आबादी वाले प्रेमनगर इलाके में रविवार रात 9:30 बजे छह मंजिला इमारत के भूतल में जूते बनाने वाले कारखाने में आग लग गई। ऊंची-ऊंची लपटें देख अफरातफरी मच गई। दमकल की 35 गाड़ियां देर रात तक आग बुझाने की कोशिश में जुटी रहीं। सुबह तक आग पर काबू पाया गया। घटना में पांच लोगों की जान चली गई।

रात करीब तीन बजे दमकलकर्मियों ने इमारत में फंसे जूता कारोबारी दानिश, उसकी पत्नी नाजनीन और तीन बेटियों के जले हुए शव निकाले। शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा जताया जा रहा है।

प्रेमनगर में दानिश की छह मंजिला इमारत है। इसमें दानिश और उनके भाई कासिफ का ही परिवार रहता है। भूतल पर दानिश का मिलिट्री के जूते बनाने का कारखाना है। इसके ऊपर गोदाम है। इमारत के अन्य तलों में जूते रखे हुए थे। रविवार को कारखाना बंद था। रात करीब 9:30 बजे कारखाने में आग लग गई। आग को बढ़ता देख इमारत में रह रहे परिवार के लोग जान बचाकर भागे।

सूचना पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा दमकल की कई गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। दो सौ मीटर के दायरे को सील कर देर रात तक आग बुझाने के साथ ही बचाव अभियान शुरू किया गया। एहतियातन आसपास की इमारतों को खाली कराया गया। सूचना पर एडीएम राजेश सिंह के अलावा एक दर्जन से ज्यादा थाने का फोर्स मौके पर पहुंच गया। एसडीआरएफ को भी मौके पर बुला लिया गया था। इमारत में आग लगने से दरारें भी पड़ गई हैं।

धुएं से सांस लेना हो गया था मुश्किल इमारत में आग लगने से उठे धुएं से लोगों को सांस लेना मुश्किल हो गया। आग की चपेट में आए चमड़े के जूते और उन्हें चिपकाने में इस्तेमाल होने वाला केमिकल भी जल गया। इससे उठने वाला धुआं दमघोंटू हो गया। आसपास की इमारत के लोगों के घरों में चल रहे पंखों और कूलर ने बाहर के धुएं को खींच कर घर में भर दिया। इससे सबसे ज्यादा तकलीफ उन बुजुर्गों को हुई जो दमे के शिकार या श्वांस रोग से पीड़ित थे। कई लोग ऐसे भी दिखे जिन्हें धुएं के कारण उल्टियां तक हुई। लोगों ने खुद को बचाने के लिए गीला कपड़ा मुंह पर लपेटा तब जाकर उन्हें राहत मिली।

हथौड़े से तोड़ीं दीवारें छह मंजिला भवन में लगी आग को काबू करने के लिए दमकल कर्मियों ने दोनों तरफ की दीवारों को हथौड़ों से तोड़ा। इसके बाद धुआं कम हुआ तो पानी की तेज बौछार के साथ कमरों में दाखिल हुए। हालांकि धुआं ज्यादा होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। पूरे इलाके की बिजली को काट दी गई है। सुबह आग बुझाने का काम पूरा हो पाया।

शॉर्ट सर्किट से आग आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। काफी प्रयास के बाद फंसे हुए लोगों को नहीं बचाया जा सका।

मेड इन इंडिया: पाक से टेंशन के बीच भारत की बड़ी कामयाबी

मध्यप्रदेश में स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप ने भरी पहली सफल उड़ान

श्योपुर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में जारी तनाव के बीच डीआरडीओ ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित परीक्षण स्थल से स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप की पहली उड़ान का सफल परीक्षण किया गया। उड़ान की कुल अवधि लगभग 62 मिनट रही और परीक्षण टीम ने सिस्टम को सफलतापूर्वक रिकवर कर लिया। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म की पहली उड़ान का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित परीक्षण स्थल से किया गया। यह अत्याधुनिक एयरशिप, आगरा स्थित एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट द्वारा विकसित की गई है। इसे लगभग 17 किलोमीटर की ऊंचाई तक एक उपकरणीय पेलोड के साथ लॉन्च किया गया। उड़ान की कुल अवधि लगभग 62 मिनट रही और परीक्षण टीम ने सिस्टम को सफलतापूर्वक रिकवर कर लिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ को बधाई दी। सिंह ने कहा कि यह प्रणाली भारत की पृथ्वी अवलोकन तथा खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को विशिष्ट रूप से बढ़ाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इससे भारत उन गिने-चुने देशों में शामिल हो गया है जिनके पास इस तरह की स्वदेशी तकनीक है। रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने भी इसकी डिजाइन, विकास और परीक्षण में शामिल टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह प्रोटोटाइप उड़ान ऐसे हल्के-से-हवा वाले उच्च ऊंचाई प्लेटफॉर्म सिस्टम की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो स्ट्रैटोस्फियर की ऊंचाई पर बहुत लंबे समय तक हवा में टिके रह सकते हैं।

किसानों ने कलेक्टर के पुतले से की 'मन की बात' तो झुका प्रशासन

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिला मुख्यालय पर आंदोलनरत किसानों के कलेक्टर के पुतले से अपनी मांगों के संबंध में चर्चा रंग लाई। रविवार को उन्हें असली कलेक्टर ने बातचीत के लिए बुला लिया। किसानों के इस अनोखे प्रदर्शन की काफी चर्चा हो रही है। बड़वानी की प्रभारी कलेक्टर काजल जावला और पुलिस अधीक्षक जगदीश डाबर ने भारतीय किसान संघ के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में राजस्व अधिकारियों के अलावा कृषि विभाग के भी अधिकारी उपस्थित थे। किसान संघ के साथ विस्तार से चर्चा और उचित कार्रवाई के निर्देश के बाद आंदोलन स्थगित कर दिया गया। पदाधिकारियों दयाराम पाटीदार, भगवान पटेल कमल सिंह तोमर आदि ने बताया कि दरअसल दो माह पूर्व किसानों ने कलेक्टर गुंचा सनोबर से मुलाकात कर एक संयुक्त बैठक करने का निवेदन किया था। लेकिन यह बैठक आयोजित नहीं करवाई गई। उन्होंने कहा दो-तीन माह में इस तरह की बैठक से कलेक्टर को किसानों की समस्या का पता लगता। मजबूरन भारतीय किसान संघ ने नहर में पानी छोड़ने, सफाई, समय पर खाद बीज की पर्याप्त उपलब्धता समेत 21 सूत्री मांगों को लेकर 28 अप्रैल से जिला कलेक्ट्रेट परिसर के सामने धरना शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि कलेक्टर समेत किसी अधिकारी द्वारा इतनी तेज धूप में धरनारत किसानों से कोई चर्चा नहीं की गई। उन्होंने बताया कि कलेक्टर इसके बाद छुट्टी पर चली गईं। 5 दिन बीत जाने के बावजूद किसी अधिकारी के चर्चा हेतु नहीं आने पर कलेक्टर का पुतला बनाया गया। और किसानों ने उसे पुतले से अपने 'मन की बात' की। उन्होंने बताया कि पुतले को बाकायदा कुर्सी पर बिठाया गया। इसके बाद किसानों ने कलेक्टर के पुतले को अपनी समस्याएं सुनाई। सोशल मीडिया पर इस घटनाक्रम के वायरल होने के बाद रविवार को प्रभारी कलेक्टर ने किसानों को बैठक के लिए बुला लिया। किसानों से कलेक्टर के पुतले से मन की बात किए जाने की घटना जिले में चर्चा का विषय बन गई।

मध्यप्रदेश में तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन और दो टर्फ गुजरने से बदला मौसम

इंदौर, देवास, उज्जैन, भोपाल, खंडवा, छतरपुर और टीकमगढ़ में अगस्त जैसी आंधी,ओलावृष्टि और बारिश, सड़कों पर जलजमाव और बिजली गुल

इंदौर/भोपाल। मध्यप्रदेश में मई में अगस्त जैसी तूफानी बारिश देखने को मिली। रविवार को प्रदेश में आंधी-तूफान-ओलावृष्टि और बारिश ने कई जगहों पर तबाही मचा दी। इंदौर, देवास, उज्जैन, भोपाल, खंडवा और आसपास के इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। इंदौर में 9 घंटे में तीन इंच बारिश रिकॉर्ड हुई है। राजधानी भोपाल में महज आधे घंटे हुई तेज बारिश से ही सड़कों पर पानी भर गया। देवास में चने के आकार के ओले गिरे। करीब आधे घंटे तक रुक-रुक कर बारिश हुई। उज्जैन में भी रविवार दोपहर बाद अचानक मौसम बदला। शाम करीब 5 बजे से तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी के बाद हल्की बारिश हुई। तेज हवा चलने के कारण शहर के कई क्षेत्रों में बिजल सप्लाई ठप हो गई। वहीं छतरपुर में आंधी में बीएसएनएल का टावर गिर गया। टीकमगढ़ में मकानों,दुकानों के टीन शेड उड़ गए। बेमौसम की बारिश से किसानों का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, हजारों क्विंटल गेहूं गीला हो गया जिसके खराब होने की आशंका है। शुजालपुर से 25 किमी दूर तिलावद मैना और आसपास के ग्रामीण अंचल में रविवार शाम 6 बजे से करीब आधा घंटे तक बारिश हुई। शुजालपुर शहर में बूंदाबांदी हुई। इसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अवंतीपुर बड़ोदिया में भी बूंदाबांदी हुई।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में 3 चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय हैं। दो टर्फ भी प्रदेश से गुजर रहीं हैं जिसका जबर्दस्त असर हुआ है। प्रदेश में 7 मई तक मौसम यूं ही बने रहने की संभावना है।

इंदौर में दर्जनभर पेड़ गिरे रविवार की सुबह इंदौरवासियों ने हल्की धूप के साथ शुरुआत की। गर्मी का असर अपेक्षाकृत कम महसूस हुआ। कुछ ही देर बाद मौसम ने करवट ली और आसमान में बादल छा गए। सुबह 11 बजे के बाद शहर के कुछ हिस्सों में रिमझिम बारिश हुई, लेकिन दोपहर तीन बजे से मौसम तूफानी हो गया। अचानक तेज बारिश शुरू हो गई और कई क्षेत्रों में ओले भी गिरे। आधे से ज्यादा इंदौर में तीन घंटे तक बिजली गुल रही। पेड़ गिरने से ढक्कनवाला कुआं पर एक वैन चपटी हो गई। एक दर्जन से अधिक जगह पेड़ गिरे। बायपास, राजेंद्र नगर, नंदा नगर, रीगल, राजवाड़ा क्षेत्र में लंबा जाम लगा। नगर निगम के बाहर जल जमाव रहा।

बेमौसम बारिश नहीं झेल पाया इंदौर मई में हुई बेमौसम बारिश इंदौर नहीं झेल पाया। दशहरा मैदान में लगे मेले के शेड उड़ गए। मरीमाता, टाटा स्टील, चंदन नगर और कालानी नगर क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम लगा रहा। एयरपोर्ट गेट के भीतर दो पेड़ गिर गए। गोम्मटगिरी रोड पर होर्डिंग्स गिर गए जिन्हें हटाया गया। खड़े गणपति क्षेत्र एवं गर्वमेंट गर्ल्स डिग्री कॉलेज के पास भी पेड़ गिरने की घटनाएं हुई। सयाजी, विजयनगर, रसोमा और पिपलियाना चौराहों पर जलभराव की स्थिति बन गई। सभी प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस तैनात की गई और यातायात नियंत्रित किया गया। पटेल ब्रिज पर एक इलेक्ट्रिक पोल गिर गया। रंजीत हनुमान रोड, गंगवाल बस स्टैंड और जयरामपुर चौराहा पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुई। गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र में एक बस के खराब हो जाने से ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी।

इंदौर के इन इलाकों में भर गया पानी बारिश के दौरान मराठी मोहल्ला, जून रिसाला, सदर बाजार, बगीचे के पास वाली पुलिया, बड़वाली चौकी, मोती तबेला, हरसिद्धि चंदन नगर. चंद्रभागा, जबरन कॉलोनी समेत कई इलाकों में जल भराव की समस्या हुई। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आधे इंदौर की बिजली गुल बारिश के दौरान आधे शहर की बिजली गुल हो गई। रावजी बाजार, आलापुर क्षेत्र, पलसीकर, खंडवा रोड, मुराई मोहल्ला, नयता मुंडला, पालदा, नानक नगर, पिपलिया राव, रालामंडल, छावनी, कलानी नगर, विदुर नगर, प्रभु नगर, कनाड़िया, खजराना समेत अन्य क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद कर दी गई।

कई जिलों में दिन के तापमान में गिरावट मौसम विभाग के अनुसार रविवार सुबह 8.30 से शाम साढ़े 5 बजे के बीच इंदौर में 70 मिमी यानी, पौने 3 इंच बारिश हो गई। भोपाल में बारिश के साथ ओले भी गिरे हैं। उज्जैन में करीब आधा इंच बारिश हुई है।

नाम बदलकर किया लव जिहाद, पता चलने पर कामरान देने लगा युवती को धमकी

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में एक लव जिहाद का मामला सामने आया है। मुसलिम युवक मोहम्मद कामरान ने सोशल मीडिया पर करण बनकर एक युवती से दोस्ती की। उससे मिलने लगा और दोस्ती भी कर ली। युवती को जब पता चला कि करन उसका असली नाम नहीं है तो उसने कामरान से बातचीत बंद कर दी, लेकिन युवक उस पर शादी का दबाव बनाने लगा। युवती ने फिर भी उससे बात नहीं की तो फिर उसने युवती के माता-पिता को काटने की धमकी दी।युवती ने परिवार की एक महिला रिश्तेदार को यह बात बताई। उनसे कामरान से कहा कि वह युवती की पीछा

छोड़ दे। कामरान ने महिला को धमकाया कि तुम बीच में से हट जाना नहीं तो फिर अच्छा नहीं होगा।

युवती ने भाई को सारी बातें बताई। भाई ने युवक को अपनी बहन से दूर रहने की हिदायत दी तो वह उसे भी धमकाने लगा और परिवार को काटने की धमकी देने लगा। आखिरकार युवती द्वारकापुरी थाने पहुंची और युवक के खिलाफ शिकायत की। पुलिस ने युवती की शिकायत पर छेड़छाड़ की धारा में शिकायत दर्ज कराई। जब यह बात हिन्दू संगठन के पदाधिकारियों को पता चली तो वे थाने पहुंचे और लव जिहाद की धारा में केस दर्ज कराने की मांग करने लगे। उन्होंने थाने पर प्रदर्शन किया और पुलिस अफसरों के खिलाफ नारेबाजी की। उनका कहना था कि क्षेत्र में कई अल्पसंख्यक युवक नाम बदलकर रहते है। पुलिस किराएदारों की तस्दीक नहीं करती है।

युवती के परिवार की महिला को भी धमकाया

युवती के परिवार की एक महिला ने कामरान को बातचीत करने से रोका, तो उसने उन्हें भी धमकाया। इसके बाद जब पीड़िता के भाई ने आरोपी से बात की, तो उसे भी जान से मारने की धमकी दी। कामरान ने कहा कि यदि लड़की से बात करने से रोका गया, तो वह पूरे परिवार को जान से मार देगा। पीड़िता के परिजनों ने बताया कि वह माता-पिता और बहन को काटने और टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी दे चुका है। परिवार उसकी धमकियों से डरा हुआ है। इस मामले में युवती के भाई ने द्वारकापुरी पुलिस से लव जिहाद की शिकायत की है। पुलिस ने शनिवार रात छेड़छाड़ की धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। हिंदू संगठनों ने पुलिस पर लगाया आरोप हिंदू संगठनों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि पुलिस ने लव जिहाद की धाराओं में केस दर्ज नहीं किया तो आंदोलन करेंगे। बता दें कि विश्वकर्मा समाज ने भी पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था। समाज का आरोप है कि कुछ दिन पहले एक मुस्लिम युवक समाज की युवती को बहला-फुसलाकर ले गया था। थाना प्रभारी राहुल राजपूत पर हिंदू संगठनों ने लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए थाने का घेराव भी किया था।

दिव्यांग बच्चों की फीस की जालसाजी में टीचर पर केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के एमआईजी पुलिस ने दिव्यांग बच्चों के स्कूल में महिला टीचर के खिलाफ संस्था का डिजिटल डाटा चोरी करने और बच्चों की स्कूल व ट्यूशन की फीस की जालसाजी करने के मामले में केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि टीचर ने करीब 8 लाख से ज्यादा का गबन किया था। एमआईजी पुलिस ने पार्थ वूमन स्पेशल चाइल्ड डेवलपमेंट सोसायटी की अध्यक्ष गर्विशा जैन की शिकायत पर जावार कंपाउंड शिवानी ठाकुर के खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज किया है। गर्विशा ने बताया कि 5 साल पहले सोसायटी की स्थापना की गई थी। तब से श्रीघा स्कूल संचालित किया जा रहा है। इसमें शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की भर्ती हुई है। जिसमें शिवानी को टीचर की भूमिका तय की गई। इस स्कूल में कम्प्यूटर एडिटिंग सहित अन्य शिक्षा दी जाती। जिसमें बच्चों से ट्यूशन

और स्कूल फीस शिवानी ही अपने पास जमा करती थी। शिवानी अपना काम ठीक से नहीं कर रही थी। विद्यार्थी ने इस मामले में कई बार शिकायत की। सह शिक्षिकाओं से भी व्यवहार ठीक नहीं रखा। कई बार पदाधिकारियों ने चेतावनी भी दी। इसके बाद शिवानी ने 24 अक्टूबर 2023 को ई-मेल के माध्यम से त्याग पत्र भेजा गया। उससे तीन माह के नोटिस पीरियड पर काम करने की बात कही गई लेकिन उसने इनकार कर दिया।

शिवानी से जमा पूंजी की जानकारी मांगी गई तो उसने देने में आनाकानी की। जब लेखा-जोखा संस्था के सामने दिया गया तो उसमें कही भी फीस की इंट्री नहीं मिली। बच्चों द्वारा अदा की गई फीस की इंट्री मांगने पर पता चला कि शिवानी ने कई ट्रांजैक्शन अपने अकांउट में किए हैं। इसके बाद पाया शिवानी के कार्यकाल में 8 लाख 97 हजार की फीस का इसी तरह गबन किया है। जांच करने पर कमेटी ने बताया कि दिव्यांग बच्चों का निजी डिजिटल डाटा, संस्था की कार्यप्रणाली का डाटा चुराकर उसे बेचकर अवैध लाभ भी कमाया गया। इस बारे में शिवानी ने जानकारी मांगी तो उसने माफी मांगते हुए रुपए वापस करने की बात कही लेकिन फरवरी 2024 तक जब उसने रुपए नहीं दिए तो संस्था के लोगों ने उससे बात की। तब उसने धमकी दी कि अगर उससे या परिवार से रुपए की मांग की जाती है तो वह सुसाइड कर लेगी और उनके नाम लिखकर सभी को फंसा देगी। इसके बाद संस्था ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि शिवानी उन्हें झूठे आरोप लगाकर फंसा सकती है। इस पर शिवानी के खिलाफ पूरे डॉक्यूमेंट लेने के बाद पुलिस ने जालसाजी और गबन के मामल में आरोपी पर केस दर्ज किया है।

अब मास्टर प्लान की सड़कें बनेंगी

चंद्रभागा सड़क का काम शुरू

इंदौर। केंद्र सरकार ने शहर की 23 सड़कों के लिए 400 करोड़ रुपये मंजूर किए है। नगर निगम मास्टर की सड़कों से बाधक हिस्से हटाने का काम कर चुका है और अब सड़क भी बनने लगी है। चंद्रभागा से कलालकुई मसजिद तक 80 फीट चौड़ाई में सड़क बनाने का काम शुरू हो चुका है। सड़क पर खुदाई कर सीवरेज के पाइप बिछाए जा रहे है। डेढ़ माह बाद सड़क के बेस का काम शुरू होगा। पिछले माह इस सड़क से 25 बाधक निमार्णों को नगर निगम ने हटाया था। तब उसका विरोध भी हुआ था, लेकिन सड़क बनने के बाद इस हिस्से का ट्रैफिक आसान हो जाएगा। पहले यहां सड़क कही 40 तो कही 60 फीट चौड़ी थी। अब समान चौड़ाई में सड़क बनेगी। इस सड़क के बनने से गंगवाल बस स्टैंड से सरवटे बस स्टैंड की कनेक्टिविटी भी आसान हो जाएगी। अभी सबसे ज्यादा ट्रैफिक जाम की समस्या मध्य क्षेत्र में है।

अफसरों ने बताया कि सड़क निर्माण से पहले सीवरजे और नर्मदा लाइन भी बिछाई जा रही है। इसके अलावा स्टार्म वाटर लाइन भी बिछेगी,ताकि भविष्य में सड़क खोदने की नौबत न आए। यह इलाका ढलान और ऊंचाई वाला है। यहां जलजमाव की समस्या न आए, इसलिए जल निकासी के लिए भी बड़े पाइप बिछाए जा रहे है। जल्दी ही शहर की अन्य मास्टर प्लान सड़कों का भी चौड़ीकरण किया जाएगा। तीन साल बाद उज्जैन में सिंहस्थ मेला लगेगा। इसे देखते हुए उज्जैन मार्ग से जुड़ने वाली एमआर-4 और एमआर-12 को प्राथमिकता के साथ बनाया जाएगा। एमआर-12 रोड़ इंदौर विकास प्राधिकरण बना रहा है।

सीवरजे और नर्मदा लाइन बिछाने का काम शुरू

निर्माण कार्य में जुटे विभागीय अफसरों का कहना है कि, सड़क निर्माण से पहले सीवरजे और नर्मदा लाइन बिछाई जा रही है। साथ ही स्टार्म वाटर लाइन भी बिछेगी, ताकि भविष्य में सड़क खोदने की नौबत न आए। ये इलाका ढलान और ऊंचाई वाला है। यहां जलजमाव की समस्या न आए, इसलिए जल निकासी के लिए भी बड़े पाइप बिछाए जा रहे है।

3 साल में चमन होंगे इंदौर से उज्जैन तक ये मार्ग

इसके साथ ही शहर की अन्य मास्टर प्लान सड़कों का भी चौड़ीकरण कार्य किया जाएगा। 3 साल बाद उज्जैन में सिंहस्थ मेला होगा। इसे देखते हुए उज्जैन मार्ग से जुड़ने वाली एमआर-4 और एमआर-12 को प्राथमिकता के साथ बनाया जाएगा। एमआर-12 रोड इंदौर विकास प्राधिकरण बना रहा है।

उज्जैन की 12 सड़कों का होगा चौड़ीकरण

उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ को लेकर अधोसंरचना विकास कार्यों को रफ्तार दी जा रही है। प्रयागराज कुंभ के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने ट्रैफिक दबाव को नियंत्रित करने के लिए व्यापक योजना बनाई है। इसमें उज्जैन शहर की 12 प्रमुख सड़कों को चौड़ा करने और हरिफाटक पुल के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने हाल ही में इन प्रस्तावों को मंजूरी दी है। प्रस्तावित योजना के तहत शहर की कई सिंगल लेन सड़कों को टू लेन किया जाएगा। इस कार्य पर लगभग 300 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। चौड़ीकरण की जद में आने वाले घरों, दुकानों, मंदिरों और अन्य अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। इसी योजना के अंतर्गत 259.01 करोड़ रुपये की लागत से हरिफाटक क्षेत्र में एक नए पुल का निर्माण भी किया जाएगा, जो शहर के यातायात को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा. प्रमुख सड़कों में कंठाल चौराहा से इंदौर गेट, गाड़ी अड्डा से रणकेश्वर महादेव, टैगोर चौराहा से दो तालाब, हामुखेड़ी से देवार रोड, शांति नगर से नीलगंगा, हनुमान नाका से हरिफाटक और महाकाल सवारी मार्ग शामिल हैं। महाकाल सवारी मार्ग का चौड़ीकरण सबसे अधिक 64 करोड़ की लागत से किया जाएगा। बाहरी जिलों से आने वाले वाहनों के दबाव को कम करने के लिए विशेष पार्किंग व्यवस्था की जा रही है। सरकार की योजना है कि प्रदेश के बाहर से आने वाले वाहनों को उज्जैन में प्रवेश से पहले पास के जिलों में रोका जाए और वहां से लोकल ट्रांसपोर्ट के जरिये श्रद्धालुओं को शहर तक पहुंचाया जाए।

इंदौर बना चोरी के मोबाइल का अंतरराष्ट्रीय अड्डा

इंदौर। इंदौर में हर वर्ष 10 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के मोबाइल गुम या चोरी हो जाते हैं। इनमें से केवल 3 करोड़ रुपये के मोबाइल ही पुलिस द्वारा बरामद किए जा रहे हैं। हाल ही में, इस सप्ताह क्राइम ब्रांच ने 45 लाख रुपये के मोबाइल फोन बरामद किए और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंपा गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शेष मोबाइल इसलिए बरामद नहीं हो पाते क्योंकि या तो उन्हें तोड़कर पुर्जों में बेच दिया जाता है या फिर वे नेपाल जैसे देशों तक पहुंचा दिए जाते हैं, जहां से उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। देशभर में चोरी हुए मोबाइल फोनों का एक व्यापक और सुनियोजित मार्केट है, जिसमें इंदौर भी एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर कर सामने आया है। आंकड़ों के मुताबिक, इंदौर से हर साल 10 करोड़ से अधिक के मोबाइल चोरी, लूट या गुम हो जाते हैं। पिछले साल, क्राइम ब्रांच ने 3 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के लगभग 1100 मोबाइल बरामद किए थे। वहीं इस साल अब तक 50 लाख रुपये के मोबाइल बरामद किए जा चुके हैं, जो इस सप्ताह लोगों को सौंपे गए। एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया का कहना है कि पुलिस जितने मोबाइल बरामद कर पाती है, असल में चोरी या गुम हुए मोबाइल की संख्या उससे पांच गुना अधिक होती है।

एडीसीपी दंडोतिया के अनुसार, चोरी हुए कई मोबाइल पुलिस की पकड़ से बाहर हो जाते हैं क्योंकि चोरों द्वारा उन्हें व्यापारियों को बेच दिया जाता है और फिर वे मोबाइल नेपाल जैसे देशों में भेज दिए जाते हैं। इसके अलावा, अधिकतर मोबाइल तोड़कर उनके पार्ट्स अलग-अलग बेच दिए जाते हैं या उनका कटएक नंबर बदल दिया जाता है, जिससे पुलिस उन्हें ट्रेस नहीं कर पाती। तकनीकी छेड़छाड़ और सीमा पार नेटवर्क इस अपराध को और भी जटिल बना देते हैं।

चोरी के मोबाइल नेपाल, दुबई और थाईलैंड तक भेजे जा रहे

पुलिस सूत्रों की मानें तो इंदौर अब चोरी के मोबाइल फोनों का एक बड़ा हब बन चुका है। यहां से चोरी के करोड़ों के मोबाइल नेपाल, दुबई और थाईलैंड तक भेजे जाते हैं। कुछ समय पहले क्राइम ब्रांच ने जॉनी नामक एक व्यापारी को नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था, जिसके पास से 50 लाख रुपये के चोरी हुए मोबाइल मिले थे। इसके अलावा, इंदौर के कई व्यापारी दिल्ली और मुंबई में भी चोरी के मोबाइल के साथ पकड़े जा चुके हैं। अन्य राज्यों की पुलिस भी अक्सर जेल रोड स्थित मोबाइल बाजार में छापेमारी करने आती है। यह दशार्ता है कि इंदौर में चोरी और लूट के मोबाइल का संगठित व्यापार फल-फूल रहा है, जिसमें व्यापारियों और चोरों के बीच सीधा संपर्क है।

अवैध कॉलोनियां काटने के मामले में 19 भूमाफिया पर होगा एक्शन

इंदौर। इंदौर में प्रशासन ने अवैध कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी की है। शहर की अलग-अलग अवैध कॉलोनी में 565 प्लॉट भूमाफिया ने बेचे है। इस तरह के 19 लोगों पर प्रशासन प्रकरण दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। इंदौर में 16 हेक्टेयर जमीन पर विकसित हो रही थी कॉलोनी। इससे पहले भी प्रशासन 38 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर चुका है।शहर के मास्टर प्लान में ग्रीन बेल्ट की जगह पर अवैध कॉलोनियां काटकर प्लॉट बेचने का काम लंबे समय से जारी है। लोग भी सस्ते प्लॉटों के चक्कर में नोटरियों पर प्लॉट खरीद लेते है, लेकिन वहां नक्शे मंजूर नहीं होते और न ही मूलभूत सुविधाएं मिलती है। अफसरों ने शहर में 19 भूमाफिया को चिन्हित किया जो कॉलोनियों में प्लॉट बेच रहे है। उनके खिलाफ अलग-अलग थानों में शिकायत होगी। इससे पहले प्रशासन अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ रासुका के तहत भी एक्शन ले चुका है। सांईकृपा कॉलोनी में एक होस्टल का निर्माण हो रहा था। इसकी शिकायत रहवासियों ने पार्षद संगीता जोशी को की थी। रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र में आवासीय प्लॉटों पर होस्टल व होटल खोले जा रहे है। इसके बाद पार्षद ने मौके पर जाकर अवैध निर्माण रुकवाया और नगर निगम के अफसरों से कहा कि वे कॉलोनी में देखे कि कहां पर व्यावसायिक निर्माण हो रहा है। रहवासी केके झा ने बताया कि वार्ड 36 और 37 में इस तरह के अवैध निर्माण बड़े पैमाने पर हो रहे है।

कृषि कॉलेज में रात में जलाई गई पराली

इंदौर। इंदौर के कृषि कॉलेज की जमीन पर पराली जलाने का मामला सामने आया है। यह घटना शनिवार रात की बताई जा रही है, जिसका वीडियो रविवार सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुआ सामने आया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि यह वीडियो कथित तौर पर कॉलेज परिसर से ही शेयर किया गया, लेकिन अब तक कॉलेज प्रबंधन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए खुले में पराली जलाने पर सख्त प्रतिबंध

लगा रखा है।

शिप्रा, बड़गोदा, महू, कनाडिया, लसूडिया, बाणगंगा और सांवेर जैसे ग्रामीण थाना क्षेत्रों में खुले में पराली जलाने के मामलों में अब तक 12 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। इन सभी मामलों में पुलिस ने आम किसानों के खिलाफ कार्रवाई की है। ऐसे में कृषि कॉलेज में हुई यह घटना प्रशासन के लिए दोहरी चुनौती बन सकती है। सूत्रों के अनुसार, कृषि कॉलेज की भूमि दो थाना क्षेत्रों- कनाडिया और बाणगंगा- में विभाजित है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पराली किस हिस्से में जलाई गई। फिलहाल वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं और वीडियो की सत्यता तथा जिम्मेदारों की पहचान करने में जुटे हैं।

इंदौरी भी चख सकेंगे कोंकण के हापुस आम का स्वाद, मैंगो जत्रा 9 मई से

इंदौर। कोंकण के हापुस आमों की असली किस्म को इंदौर के लोग चख सकेंगे। वहां के 25 से ज्यादा किसान हापुस आमों को इंदौर के मैंगो जत्रा में लाएंगे। मराठी सोशल ग्रुप ट्रस्ट का जत्रा इंदौर में 9 से 11 मई तक ग्रामीण हाट बाजार, साउथ तुकोगंज पर लगने जा रहा है। तीन दिनों तक सुबह 9 से रात्रि 10 तक शहरवासी सीधे किसानों से हापुस आम खरीद सकेंगे और उसकी विभिन्न किस्मों का स्वाद भी ले सकेंगे। ग्रुप के सुधीर दांडेकर, राजेश शाह ने बताया कि मेंगो जत्रा में 25 से अधिक आम उत्पादक हिस्सा लेंगें । इस बार भी कृषक बढ़ चढ़ कर मेंगो जत्रा में हिस्सा लेने के लिए पहुंच रहे है । 2013 में मात्र 5 कृषकों से प्रारम्भ हुए मेंगो जत्रा को लेकर इस बार कोंकण के किसान उत्साहित है। कोकण के अचार और आमचुल भी जत्रा में नजर आएंगे। मेंगो जत्रा में रत्नागिरी, देवगढ़ (कोंकण) के आम उत्पादक व किसान वहां के विशिष्ट हापुस आम और अन्य उत्पाद लेकर सीधे ग्राहक को विक्रय करते है।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में कर्मचारी आज से हड़ताल पर

इंदौर। इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय स्ववित्त संस्थान कर्मचारी (गैर-शिक्षक) संघ अपनी मांगों को लेकर पिछले तीन दिनों से आंदोलन कर रहा है। ये आंदोलन खंडवा रोड के तक्षशिला परिसर में किया जा रहा है। पदाधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कर्मचारी हितैषी नीतियों और निदेर्शों के विपरीत, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार कर्मचारी-विरोधी गतिविधियों में लिप्त है। विश्वविद्यालय प्रशासन के पूर्व बैठकों में संघ के अध्यक्ष दीपक सोलंकी और अन्य पदाधिकारियों ने राज्य शासन द्वारा जारी कर्मचारी हितों से संबंधित निर्देश प्रस्तुत किए थे, लेकिन प्रशासन ने इसे अनदेखा करते हुए दमनकारी नीति अपनाई। रविवार को आंदोलन के चौथे दिन कर्मचारी संघ के सदस्य धरना स्थल पर एकत्रित हुए। जहां उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन के नकारात्मक व्यवहार की कड़ी निंदा करते हुए नारेबाजी की।

पदाधिकारियों ने बताया कि सोमवार से ये आंदोलन अनिश्चितकालीन हड़ताल का रूप ले लेगा। जिसमें कर्मचारी पूर्णकालिक हड़ताल पर चले जाएंगे। व्यवस्था बिगड़ने की पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। रविवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों में नीट परीक्षा का आयोजन किया गया। बाहर से आए अभ्यर्थियों की परेशानी को देखते हुए आंदोलन कर रहे कर्मचारियों ने हेल्प डेस्क लगाई और अभ्यर्थियों की मदद की।

इस आंदोलन में देवता के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण शिंदे, समाजसेवी अजय चोरड़िया और ट्रेड यूनियन इंदौर-पीथमपुर इकाई के महासचिव रुद्रपाल यादव भी पहुंचे और कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया। वहीं, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दीपक सोलंकी, महासचिव गजेंद्र परमार, उपाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, सुरेंद्र मिश्रा, जितेंद्र भाटिया, सचिव सोहेल परवेज, संतोष मौर्य और मनीष कुमार शर्मा ने आंदोलन का संचालन किया।

मप्र कांग्रेस ने पहली बार अलग से बनाया चुनाव प्रबंधन विभाग

हर विधानसभा में बनाएंगे चुनाव प्रबंधन प्रभारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है। इसे लेकर तरह-तरह के प्रयोग किया जा रहे हैं और अलग-अलग व्यक्तियों को दायित्व दिए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव के करीब साढ़े तीन साल पहले कांग्रेस ने पहली बार चुनाव प्रबंधन विभाग का अलग से गठन किया है। काग्रेस के प्रदेश संगठन प्रभारी डॉ. संजय कावले ने बताया कि इससे पहले चुनाव के समय चुनाव प्रबंधन कमेटी बनाई जाती थी। पहली बार इस तरह का प्रयोग किया गया है। इस विभाग का प्रभार पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह को दिया गया है। वही संगठन प्रभारी मे भी बदलाव किया गया गया है। पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह की जगह पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे को प्रभार सौंप गया है। दरसअल चार महीने पहले एमपी कांग्रेस के संगठन में दो-दो प्रभारी नियुक्त किए गए थे। पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह और प्रदेश महामंत्री संजय कामले को संगठन का प्रभारी बनाया गया था। चार महीने में ही प्रियव्रत सिंह की जगह संगठन का प्रभार पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे को दिया गया है।

कांग्रेस की चुनाव प्रबंधन समिति

कांग्रेस की चुनाव प्रबंधन समिति में ये पदाधिकारी और सदस्य हैं- प्रियव्रत सिंह- प्रभारी, गौरव रघुवंशी- अध्यक्ष, गोरकी बैरागी- सदस्य, मृणाल पंत- सदस्य, शैलेन्द्र पटेल- सदस्य और मयंक तेनगुरिया- सदस्य।

पंचायत और वार्ड समितियों का होगा गठन

एमपी कांग्रेस द्वारा गठित चुनाव प्रबंधन विभाग अब निचले स्तर के संगठन पर काम करेगा। यानि हर विधानसभा में चुनाव प्रबंधन का प्रभारी नियुक्त किया जाएगा। इसके बाद पंचायत और वार्ड समितियों का गठन होगा। इन समितियों के गठन में इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि चुनावी लिहाज से पंचायत और वार्ड समिति के सदस्य कितने कैपेबल हैं।

तकनीक के जानकार लोगों को बनाएंगे सदस्य

सोशल मीडिया पर सक्रियता के साथ ही स्थानीय राजनीतिक परिस्थिति और तकनीक के जानकार लोगों को सदस्य बनाया जाएगा। विधानसभा के प्रभारियों के बाद पंचायत और वार्ड समितियों को चुनावी लिहाज से ट्रेनिंग देने का काम चुनाव प्रबंधन विभाग द्वारा किया जाएगा। वहीं बीजेपी ने जिस तरह से मतदाता सूची पर पन्ना प्रभारी और अर्द्ध पन्ना प्रभारी नियुक्त किए हैं। कांग्रेस भी अब पन्ना प्रभारियों की काट खोजने के लिए पंचायत और वार्ड समितियों के गठन के बाद वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन पर बारीकी से काम करेगी।

स्थानीय स्तर के सार्वजनिक मुद्दों का करेंगे संकलन

कांग्रेस के चुनाव प्रबंधन विभाग द्वारा पंचायत और वार्ड समितियों के जरिए स्थानीय स्तर के सार्वजनिक मुद्दे संकलित कराए जाएंगे।

उनका पूरा दस्तावेजीकरण होगा। चुनाव में नैरेटिव सेट करने में ये मुद्दे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

कौन से ऐसे स्थानीय मुद्दे हैं जिन्हें जिला स्तर पर और प्रदेश स्तर पर उठाते हुए इलेक्शन का नैरेटिव सेट करना है ये काम भी चुनाव प्रबंधन विभाग करेगा।

छात्राओं के साथ दुष्कर्म-ब्लैकमेलिंग कर लव जिहाद करने वाले गिरोह के दूसरे प्रमुख किरदार साहिल का डांस क्लास भी था अय्याशी का अड्डा

लव जिहाद गिरोह में तय थी हर आरोपी की भूमिका

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के निजी कॉलेज की छात्राओं के साथ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग कर लव जिहाद करने वाले गिरोह के दूसरे प्रमुख किरदार साहिल का डांस क्लास भी अय्याशी का अड्डा बना हुआ था। साहिल के सीक्रेट फोल्डर में एक ऐसा वीडियो भी मिला है, जो साहिल के डांस क्लास के चेजिंग रूम में बना हुआ है। इस वीडियो में नशे में धुत युवतियां इस गिरोह के युवकों और कुछ अन्य युवकों के साथ डांस कर रही हैं। डांस के दौरान युवक मनमर्जी से युवतियों के बदनों को छू रहे थे। साहिल और एक अन्य युवक युवतियों को डांस स्टेप सिखाने के बहाने उनके निजी अंगों तक हाथ लगा रहे हैं। इस वीडियो के आने के बाद पुलिस को आशंका है कि डांस क्लास में भी रात में अश्लील कार्य होते थे। साहिल ने डांस क्लास की कई युवतियों को फार्म हाउस, रईशजादों की पार्टियों में पैसे लेकर डांस करने भेजने के बहाने वैश्यावृत्ति तक कराता था। हालांकि पुलिस का मानना है कि युवतियां अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए एक हजार से दो हजार रूपए लेकर युवकों के साथ मनमर्जी से जाती थीं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस गिरोह के सभी छह सात प्रमुख आरोपियों की भूमिका तय थी।

पुलिस इस संबंध में युवतियों के प्रकरण दर्ज कराने का इंतजार कर रही है। अगर कोई युवती इस संबंध में प्रकरण दर्ज कराती है तो जांच की दिशा लव जिहाद कर ब्लैकमेलिंग के साथ देह व्यापार के एंगल से भी जांच होगी। क्लब-90 के संचालक मेहरबान गुर्जर का कांग्रेस के एक नेता के साथ फोटो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। गुर्जर और उसके करीबी भाजपा नेताओं के भी संपर्क में हैं।

कहा जा रहा है कि कमलनाथ की सवा साल की सरकार के दौरान ही मेहरबान गुर्जर को नगर निगम की जमीन क्लब-90 रेस्टोरेंट संचालित करने के लिए दी गई है। इस बीच

एक और जानकारी निकलकर सामने आई है कि क्लब 90 के पास जिस स्थान पर हिंदू युवतियों को जलील किया जाता था, वहां से जुड़े लोगों पर फंडिंग का शक जताया जा रहा है। वह व्यक्ति भी प्रदेश के एक बड़े नेता को फंडिंग करता है और नेता उसके आपराधिक प्रकरणों में बचाने का कार्य करता है।

साहिल से लगातार पूछताछ जारी

साहिल पुलिस रिमांड पर है और उससे लगातार पूछताछ चल रही है। गिरोह का मुख्य आरोपी फरहान और बिहार निवासी नबील भी पुलिस रिमांड पर हैं। इस गिरोह का छठवां आरोपी अबरार फरार है, जबकि सातवां आरोपी हामिद दिसंबर 2024 में आत्महत्या कर चुका है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस गिरोह के सभी छह सात प्रमुख आरोपियों की भूमिका तय थी। कोई लड़कियों को दोस्ती के नाम पर जाल में फंसाता था, कोई उन्हें दोस्ती के नाम पर अपने कमरे में ले जाता था फिर उन्हें सिगरेट पिलाने की आदत डालता था। सिगरेट पी लेने वाली युवती को गांजा पिलाया जाता था।

इसके बाद उनके साथ नशे में दुष्कर्म कर वीडियो बनाने के बाद मांस खिलाकर उन्हें हिंदू लिबास छोड़कर वर्ग विशेष के परिवेश में रहने और उनके जैसे व्यवहार करने नहीं तो दुष्कर्म का वीडियो वायरल करने की धमकी दी जाती थी। फरहान की दरिंदगी का शिकार युवतियों ने भी इस गिरोह के संबंध में जानकारी दी है। फरहान फिलहाल पुलिस रिमांड पर है, लेकिन पुलिस हिरासत से भागते समय उसके पैर में गोली लगी है और वह हमीदिया अस्पताल में भर्ती है। शनिवार शाम को भी अधिकारी हमीदिया अस्पताल पहुंचकर फरहान से पूछताछ की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक साहिल पिछले करीब दो साल से डांस क्लास संचालित कर रहा था। वहां आने वाली युवतियों को वह रुपयों का लालच देकर या फिर ब्लैकमेल कर देह व्यापार के धकेलता था। वह शहर के आसपास फार्म हाउस में होने वाली पार्टियों में भी इन युवतियों को भेजता था।

हथाईखेड़ा और बिलकिसगंज में किराए से ले रखे थे कमरे

आरोपियों ने शहर से दूर गांव में ठिकाने बना रखे थे। हथाईखेड़ा के क्लब 90 के अलावा सीहोर जिले के बिलकिसगंज में उन्होंने कमरा किराए पर ले रखा था। अशोका गार्डन पुलिस की पूछताछ में आरोपी फरहान, अली, साहिल और नबील लगातार खुलासे कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिलकिसगंज में फरहान और अबरार अय्याशी किया करते थे। फरहान ने इस रूम में भी एक पीड़िता के साथ ज्यादती की है। इसका खुलासा होने के बाद पुलिस आरोपी फरहान को लेकर शुक्रवार देर रात बिलकिसगंज जा रही थी। पुलिस को यहां से साक्ष्यों की जब्ती करना थी। इससे पहले ही उसने एसआई की पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की और फायर होने के बाद गोली उसे लग गई।

अबरार किराए पर लिए थे कमरे

फरहान ने पुलिस को पूछताछ में जानकारी दी थी कि पश्चिम बंगाल स्थित हॉस्टल में भोपाल पुलिस की दबिश के बाद अबरार भाग गया था। अब उसे पुख्ता जानकारी है कि अबरार बिलकिसगंज के कमरे में छिपा है। लिहाजा पुलिस उसे लेकर सर्चिंग के लिए जा रही थी। रेप के लिए इस्तेमाल ज्यादातर कमरों को अबरार ने ही किराए पर लिया था। अशोका गार्डन वाला कमरा भी उसी का था और बिलकिसगंज में भी कमरा उसी ने किराए पर लिया।

लड़कियों को क्लब 90 में ले जाया करते थे आरोपी

रायसेन रोड पर कई इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। लड़कियों को प्राइवेसी और क्वालिटी टाइम बिताने का झांसा देकर आरोपी क्लब 90 में ले जाया करते थे। इसी तरह रातीबढ़ थाना इलाके में सिकंदराबाद गांव में कई इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। यहां से बिलकिसगंज महज 7-8 किलोमीटर की दूरी पर है। आरोपियों ने यहां के कई कॉलेज छात्रों से संबंध बना रखे थे। साथियों के साथ अय्याशी के लिए बिलकिसगंज वाले किराए के कमरे का इस्तेमाल करते थे।

फरहान ने पूछताछ में किया यह खुलासा

डीसीपी प्रियंका शुक्ला के मुताबिक अबरार और फरहान बिलकिसगंज में किराए का कमरा लेकर साथ रहे हैं। इस बात का खुलासा फरहान ने पूछताछ में किया है। यहां से अहम साक्षयों की जब्ती के साथ ही कमरे की सर्चिंग की जानी थी। इसके लिए एसआई विजय बामने हमराह स्टाफ के साथ उसे शुक्रवार की रात को बिलकिसगंज ले जाने निकले थे। सरवर गांव में पेशाब के बहाने फरहान ने गाड़ी को रुकवाया था। वाहन से उतरते ही फरहान ने एसआई से सर्विस रिवॉल्वर को छीनने का प्रयास किया।

छीना-झपटी के दौरान आर्म्स से फायर हुआ और गोली फरहान के पैर में लगी। अस्पताल में उसकी हालत स्थिर है।

फैकल्टी के अभाव में बीयू में नहीं शुरू हो पा रहा बी-एड

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में फैकल्टी के अभाव में कई कोर्स सुचारू रूप से नहीं चल पा रहे हैं। इस समय सबसे ज्यादा चलने वाला कोर्स बीएड पिछले चार वर्षो से बंद पड़ा है। दरअसल राष्ट्रीय शिक्षक परिषद (एनसीटीई) ने पिछले तीन सत्रों से बी-एड कोर्स के प्रवेश में प्रतिबंध लगा दिया। इसका मुख्य कारण विश्वविद्यालय मैं के इस विभाग में फैकल्टी नहीं होना माना जा रहा है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक ढांचे को अब तक पूरा नहीं कर सका है। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में पिछले 4 साल से शिक्षकों की भर्ती नहीं कर सका है। जानकारी के लिए बतादें कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के बीएड कोर्स की हर साल 100 सीटें भर जाती थीं, लेकिन चार सत्रों से एनसीटीई ने इस पर रोक लगा रखी है। एनसीटीई ने विश्वविद्यालय को समय दिया था ताकि वह अपने संसाधनों को दुरुस्त कर सके, लेकिन बीयू इस दौरान एक भी फैकल्टी मेंबर की नियुक्ति नहीं कर सका। विश्वविद्यालय ने हर साल आश्वासन पत्र भेजे और शपथ पत्र पर प्रवेश की अनुमति मांगी, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ। वर्तमान में बीएड डिपार्टमेंट में एक भी स्थाई शिक्षक मौजूद नहीं है, जिससे एनसीटीई की नाराजगी और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार अब बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय बीए बीएड और बीएससी बीएड कोर्स शुरू करने की तैयारी शुरू की है, जिसके लिए अनुमति के लिए एनसीटीई को पत्र भेजा गया है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि जब बीएड के लिए ही फैकल्टी नहीं है, तो इन नए कोर्सों को अनुमति मिलना भी कठिन होगा। इधर बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रवेश देने की तैयारी शुरू कर दी है इधर बीयू ने सत्र 2025-26 में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स (यूटीडी) में संचालित 70 से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार बीयू से बीएएलएलबी और बीएससीं एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी (कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) देना अनिवार्य होगा। वहीं यूटीडी में संचालित अधिकतर पाठ्यक्रमों में सीयूईटी और नॉन सीयूईटी (ऐसे छात्र जो सीयूईटी-यूजी व पीजी में शामिल नहीं होंगे) दोनों तरह के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इस बार 75 फीसद सीट पर नान सीयूईटी और 25 फीसद सीयूईटी के लिए आरक्षित होंगी।

भोपाल में 59 रेस्टोरेंट और बार को प्रशासन ने कर दिया सील

भोपाल। भोपाल जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने 59 रेस्टोरेंट, होटल और क्लब बार को सील कर दिया है। इन पर मनमानी करने का आरोप है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के आदेश पर यह कार्रवाई हुई। बार के लाइसेंस भी सस्पेंड कर दिए गए हैं। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि 2024-25 के लाइसेंस को 2025-26 के लिए रिन्यू करने में गड़बड़ी पाई गई।दरअसल, वर्ष 2024-25 में रेस्टोरेंट, बार, होटल और सिविलियन क्लब को लाइसेंस रिन्यू करने के लिए कहा गया था। इसके लिए उन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर जरूरी कागजात जमा करने थे। लाइसेंसधारियों ने ऑटो-जेनरेटेड बार लाइसेंस के कागजात ई-आबकारी पोर्टल पर अपलोड किए। इन कागजातों की जांच में कई कमियां मिलीं। उन्हें इन कमियों को दूर करने के लिए कहा गया था। लेकिन ज्यादातर बार ने ऐसा नहीं किया। इसलिए उनके बार लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए और उन्हें सील कर दिया गया। इस कार्रवाई से शहर में हड़कंप मच गया है।

इन पर हुई कार्रवाई

कार्रवाई के बाद सील किए गए कुछ प्रमुख रेस्टोरेंट और बार इस प्रकार हैं- 10 डाउनिंग स्ट्रीट, माय बार हेडक्वार्टर, निरवाना बार, परफेक्ट हॉस्पिटिलिटी, रणजीत गोल्डन ऑक, रेमिक्स लान्ज, रेयथम ऑन फायर, साकी बार एंड रेस्टोरेंट, शाही हवेली, सिम्पली फूड, स्मॉक ग्रिल हाउस, सोशल लाइट सेवल, सौम्या बार, टेब टोस्ट एंड बलिस्स, तड़का रेस्टोरेंट, ट्रीपल सेवन, अर्बन आर एंड रेस्ट्रो, वी क्लब, बार बेनकिट नेशन, बाररिल्स एंड रेस्टोरेंट, बावर्ची रेस्टोरेंट, भोजिन्न, बॉजी बाय, बोसकोस, क्लब ओबेलो, ड्रीम लैंड, ड्रिंक हिल, फर्जी कैफे, फर्जी हाउस, फ्लाइंग सॉसर, गुनवनी हॉस्पिटिलिटी, हैप्पी फूड एंड बावरेज, हंटर स्पोर्ट्स एंड क्लब, लॉवरी, जूह नूह नी, एमके रेस्ट्रो एंड पब रास्ता, मॉल्क्यूल एयर बार।

रामेश्वर शर्मा बोले- सवाब की शिक्षा देने मुल्ला मौलवी पर भी कार्यवाही हो

भोपाल। राजधानी भोपाल में लव जिहाद को लेकर सियासी बयानबाजी भी तेज हो रही है। लव-जिहाद से जुड़े एक हालिया प्रकरण में भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि कोई अपराधी यह स्वीकार करता है कि वह इस्लाम धर्म के नाम पर अपराध कर रहा है, तो इस शिक्षा की जड़ तक जाकर कार्रवाई होनी चाहिए। विधायक शर्मा ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर पूछा है कि यदि आरोपी यह कहता है कि हिंदू बहन-बेटियों के साथ बलात्कार करने पर उसे सवाब (धार्मिक पुण्य) मिलता है, तो यह किस धर्मग्रंथ में लिखा है? उन्होंने मांग की है कि ऐसे कथनों की तह में जाकर जांच की जाए कि ऐसी सोच किस ग्रंथ, स्थल या व्यक्ति द्वारा आरोपियों में पैदा की गई। उन्होंने कहा कि जिस ग्रंथ में यह लिखा है, उसकी जब्ती की जानी चाहिए।

मध्यप्रदेश में ट्रांसफर पॉलिसी लागू,30 मई तक विभागीय मंत्रियों को तबादले के अधिकार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने शनिवार को स्थानांतरण पॉलिसी- 2025 जारी कर दी है। अब 30 मई तक विभाग अपने कर्मचारियों के ट्रांसफर कर सकेंगे। इसके बाद सामान्य रूप से स्थानांतरण प्रतिबंधित रहेंगे और केवल विशेष परिस्थितियों में ही तबादले किए जा सकेंगे। पालिसी के मुताबिक, राज्य एवं जिला स्तर पर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का तबादला जिला कलेक्टर की संस्तुति और प्रभारी मंत्री की स्वीकृति से किया जाएगा। जबकि प्रथम श्रेणी के अधिकारियों का तबादला मुख्यमंत्री की सहमति के बाद ही होगा। पॉलिसी में यह भी कहा गया है कि स्थानांतरण आदेशों की अनदेखी करने, कार्यमुक्त न होने या अवकाश लेकर गायब होने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई तय की गई है। विभागीय सचिव इसकी निगरानी के लिए जिम्मेदार होंगे।

एक ही स्थान पर 3 वर्ष से अधिक समय से पदस्थ कर्मचारियों के तबादले को प्राथमिकता दी जाएगी। गंभीर बीमारियों, न्यायालयीन आदेश, अनुशासनात्मक कार्रवाई या लोकायुक्त जांच जैसी परिस्थितियों में अपवादस्वरूप स्थानांतरण संभव है।

पति-पत्नी एक साथ पदस्थापना चाहते हैं तो आवेदन पर विचार होगा, लेकिन पदस्थापन प्रशासकीय आवश्यकता के अनुसार। महिला कर्मचारियों, दिव्यांगजन और गंभीर रूप से बीमार परिजनों की देखभाल करने वाले कर्मचारियों को विशेष सहूलियत मिलेगी। स्वीकृत पदों से अधिक पदस्थापना पर रोक, और एक ही स्थान पर शृंखलाबद्ध स्थानांतरण को स्पष्ट

रूप से प्रतिबंधित किया गया है। ई-ऑफिस प्रणाली से जारी आदेश ही मान्य होंगे और 30 मई के बाद जारी आदेश स्वमेव निरस्त माने जाएंगे। कार्यमुक्त के 2 सप्ताह के अंदर अनिवार्य जॉइनिंग, अन्यथा एकतरफा कार्यमुक्त किया जाएगा। कार्यमुक्त न करने या देरी पर वेतन रोका जाएगा और वित्तीय अनियमितता मानी जाएगी।

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना सामान्य प्रशासन विभाग जिले में की जाएगी। जिले के अंदर डिप्टी कलेक्टर/ संयुक्त कलेक्टर की अनुविभाग में पदस्थापना या अनुविभाग परिवर्तन, कलेक्टर द्वारा, जिला प्रभारी मंत्र से परामर्श कर सहमति उपरांत किया जा सकेगा।

तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की जिले में पदस्थापना/ स्थानांतरण जिला कलेक्टर द्वारा जिला प्रभारी मंत्री से परामर्श कर सहमति बाद की जा सकेगी। जिलों में पदस्थ प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी के कार्यपालक अधिकारियों के एक ही स्थान पर तीन वर्ष की पदस्थापना पूर्ण कर लेने पर जिले से अन्यत्र प्राथमिकता पर स्थानांतरण किया जा सकेगा। तृतीय श्रेणी कार्यपालिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी एक ही स्थान पर सामान्यतः तीन वर्ष या उससे अधिक पदस्थापना की अवधिक पूर्ण कर लेने के कारण स्थानांतरण किया जा सकेगा।

जिस जिले में अधिकारी पूर्व में पदस्थ रह चुके है, वहां उनकी उसी पद पर दोबारा पदस्थापना सामान्यतः नहीं की जाए। जिन अधिकारियों/ कर्मचारियों के विरुद्ध नैतिक पदन संबंधी आपराधिक प्रकरण लंबित हों, उनकी तैनाती कार्यपालिक पदों पर नहीं की जाएगी। राज्य सरकार की प्राथमिकताओं वाली योजनाओं में कम से ट्रांसफर किए जाएंगे। अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता महिलाओं के प्रकरणों में उनके गृह जिले में स्थानांतरण किया जा सकेगा।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री का देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान, आतंकियों और उनके आकाओं पर प्रहार करने के लिए सेना को खुली छूट दे दी है। हमले का तरीका, जगह, लक्ष्य और समय सेनाएं ही तय करेंगी। प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है। इतना जरूर स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। कश्मीर में ही उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी थी। हालांकि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले की अंतिम स्वीकृति प्रधानमंत्री से जरूर ली गई थी। प्रधानमंत्री ने बीते कुछ दिनों में दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान, आतंकियों और उनके आकाओं पर प्रहार करने के लिए सेना को खुली छूट दे दी है। हमले का तरीका, जगह, लक्ष्य और समय सेनाएं ही तय करेंगी। प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है। इतना जरूर स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। कश्मीर में ही उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी थी। हालांकि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले की अंतिम स्वीकृति प्रधानमंत्री से जरूर ली गई थी। प्रधानमंत्री ने बीते कुछ दिनों में दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन बैठकों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी मौजूद रहे, लेकिन निर्णायक बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। जाहिर है कि प्रधानमंत्री के सामने संभावित हमलों के प्रारूप और रोडमैप रखे गए होंगे! अंतत: सेना को स्वतंत्र छूट दी गई। बुधवार, 30 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी, राजनीतिक और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समितियों की बैठकों में भी व्यापक विमर्श किया गया। कैबिनेट की पूरी बैठक भी की गई। अब सर्वोच्च स्तर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत ने पहलगाम नरसंहार का बदला लेना तय कर लिया है। तीनों सेना प्रमुखों के प्रारूपों में जो संशोधन जरूरी लगे होंगे, वे कैबिनेट की बैठकों में कर लिए गए। अब हमारी सेनाओं का आक्रामक प्रहार क्या होगा, यह उसी पल ही सामने आएगा, जब हमला किया जाएगा। भारत अपनी तरफ से युद्ध का आगाज करने नहीं जा रहा है। जो आतंकवाद के चेहरे हैं, निशाने पर सिर्फ वही होने चाहिए। रक्षा विशेषज्ञ अपने लंबे, सैन्य अनुभवों के आधार पर आकलन कर रहे हैं कि आतंकियों के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, वहां की फौज और सेना प्रमुख जनरल मुनीर हमारी सेनाओं के निशाने पर हो सकते हैं। यह ही आतंकवाद का क्रमबद्ध सिलसिला हैं। सेना के ऑपरेशन जमीन और हवा के अलावा समंदर से भी किए जा सकते हैं। हमारी सेनाओं ने दुश्मन का अच्छी तरह अध्ययन कर लिया होगा! हमारी सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान के 30 से ज्यादा महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं, जिन्हें सेनाएं मिसाइल हमलों में ही उड़ा सकती हैं। हमारी सेनाओं के पास ऐसे भी अस्त्र हैं, जिन्हें भारत की सीमा में रहते हुए भी छोड़ा जा सकता है। वे वाकई बेहद विध्वंसक हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सैन्य ऑपरेशन व्यापक और बहुध्रुवीय हो सकता है। बहरहाल सेना जो भी करेगी, पूरी दुनिया के सामने होगा, लेकिन एक बार फिर दोहरा रहे हैं कि यह देश के एकजुट रहने का वक्त है। यह विवादास्पद, घटिया और मानहानि वाले पोस्टर पोस्ट करने का वक्त नहीं है। यह देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करने का भी समय नहीं है। हां, हम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आग्रह को समर्थन देते हैं कि संसद का एकदिनी विशेष सत्र बुलाया जाए और पाकिस्तान, आतंकवाद के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया जाए। ऐसे विशेष सत्र 'निर्भया कांड' के बाद भी बुलाए गए हैं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया, तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नया विचार सामने आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के भीतर सैन्य रणनीति का खुलासा बिल्कुल न करें। विपक्ष से भी हमारी अपेक्षाएं हैं कि वे फिजूल का दबाव सरकार पर न डालें। एक राष्ट्र के तौर पर, संसद के जरिये, आतंकवाद और पाकिस्तान की भूमिका को पुरजोर बेनकाब करें। बेशक दुनिया भी हमारी संसद से गूंजने वाले हुंकारों को सुनेगी। यदि सरकार संसद का सत्र नहीं बुलाती है, तो कमोबेश अभी उसे सियासत का आधार न बनाएं। भारत को पलटवार कर प्रतिशोध लेने दें, पीड़ित परिवारों को कुछ तसल्ली मिलने दें। देश सामान्य हो जाएगा, तो सरकार का विरोध जायज होगा। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इसके अलावा दर्जनों लोग घायल भी हुए थे। इसे हाल के वर्षों के सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक माना जा रहा है। हमले के बाद घाटी में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। हमले में शामिल आतंकियों की तलाश जारी है। इसके लिए सुरक्षाबल जगह-जगह कॉम्बिंग कर रहे हैं। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ रहा है। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर कई तरह की पाबंदियां लगाने का फैसला किया।

भावुकता और भारतभक्ति का फर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय सेनाओं को माकूल कार्रवाई के लिए अधिकृत कर चुके हैं। तब से अब तक 7, लोक-कल्याण मार्ग, नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक में रणनीतिक बैठकों का दौर जारी है। इसी क्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने अमेरिकी समकक्ष रक्षा सचिव को फोन कर भारत का इरादा और संकल्प जाहिर कर चुके हैं। एस जयशंकर की अगुवाई में समूचा विदेश मंत्रालय विश्व जनमत को अपने पक्ष में करने के लिए दिन-रात जुटा है। इराक में 'ऑपरेशन डेजर्ट' का नेतृत्व करने वाले अमेरिकी जनरल हर्बर्ट नॉर्मन श्वार्जकोफ ने कहा था, शांतिकाल में आप जितना पसीना बहाते हैं, युद्धक्षेत्र में उतना ही कम खून बहाना पड़ता है।

गुजरे मंगलवार की सुबह, समय तकरीबन 6 बजे। अचानक फोन की मैसेज टोन बजी। आश्चर्य और आशंका के साथ मैंने फोन उठाया- मेरे एक मित्र के पुत्र का संदेश चमक रहा था। वह पहलगाम की घटना से व्यथित था और उसे शिकायत थी कि सरकार आनन-फानन में कोई कदम क्यों नहीं उठा रही? उसने मुझसे यह भी अपेक्षा की थी कि मीडिया में काम करने के नाते मुझे तत्काल जोरदार कार्रवाई के लिए आवाज उठानी चाहिए। मैं चकित रह गया।

उस युवक को मैं बचपन से जानता हूं। यह नौजवान देश के सबसे अच्छे स्कूलों में पढ़ा है और उसके बाद उसने उच्चस्तरीय तकनीकी शिक्षा हासिल की। कॉलेज का कोर्स खत्म होने से पहले ही उसे एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी मिल गई। तब से आज तक तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता हुआ वह अब एक बड़े पद पर है। अपनी समझदारी और सुलझेपन के लिए उसे जाना और माना जाता है, इसीलिए मैंने उसके उद्वेलन का बुरा नहीं माना।

जवाब में उसे मैंने विस्तार से संदेश लिखा कि तुम्हें इतना ज्यादा व्यथित होने की जरूरत नहीं। निश्चिंत रहो, सरकार अपना काम कर रही है। समय आने पर देश-दुनिया को माकूल कार्रवाई दिख जाएगी। मैंने उसे यह भी लिखा कि सन् 1971 में भी भारत में युद्ध-उन्माद पनप रहा था। उसी बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने सेनाध्यक्ष सैम मानेकशॉ को तलब किया था। वह चाहती थीं कि हमारी फौजें पूर्वी पाकिस्तान पर आक्रमण कर उसे बांग्लादेश घोषित करने में सहायता करें, लेकिन मानेकशॉ को समय की दरकार थी। क्यों? सैम जानते थे कि अगले कुछ महीनों में मानसून की शुरुआत होने वाली है। बरसात में बांग्लादेश के सीमावर्ती इलाके में खेत दलदल में तब्दील हो जाते हैं। उनसे टैंकों और सेना का गुजरना नामुमकिन था। ऐसे समय में आक्रमण का मतलब था, अपने सैनिकों को मौत के मुंह में झोंकना। जो लोग सत्ता और शक्ति के शीर्ष पर होते हैं, उन्हें दुश्मन की तबाही से अधिक अपने लोगों के जान-माल की भी चिंता करनी होती है। सैम यही कर रहे थे।

उन दिनों, जब भारतीय सेना के तीनों अंग निर्णायक युद्ध की तैयारी कर रहे थे, तो दूसरी तरफ इंदिरा गांधी और उनकी सरकार विश्व-पटल पर भरोसेमंद दोस्त तलाश रही थीं। पाकिस्तान शुरू से पश्चिमी देशों का पिट?ठू था। अमेरिका में उस समय निक्सन की हुकूमत हुआ करती थी। वे न केवल पाकिस्तान के पक्ष में थे, बल्कि उन्हें इंदिरा गांधी से निजी चिढ़ थी। इंदिरा गांधी ने इसीलिए तत्कालीन सोवियत संघ के शासक लियोनिद ब्रेझनेव के साथ दीर्घकालिक सामरिक संधि की। इस समझौते के कारण मॉस्को ने न केवल भारत और पाकिस्तान के युद्ध के दौरान हमें जरूरी साजो-सामान मुहैया कराया, बल्कि अमेरिकी धमकियों से निपटने में भी हमारी मदद की।

सन? 1991 में सोवियत संघ के विघटन के साथ शीतयुद्ध भी खत्म हो गया। मॉस्को अब पहले जितना ताकतवर नहीं रह बचा है, लेकिन आज तक दोनों देशों की दोस्ती बनी हुई है। हालांकि, विश्व राजनीति के समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। जब से वॉशिंगटन डीसी में डोनाल्ड ट्रंप ने दोबारा सत्ता संभाली है, तब से भूमंडल का साढ़े तीन दशक पुराना निजाम उलट-पुलट हो गया है। हालात कैसे हैं, यह जानने के लिए चीन और अमेरिका के ताजा बयानों पर गौर फरमाइए। चीनी विदेश मंत्री ने आतंकवाद की निंदा करते हुए भी परोक्ष रूप से इस्लामाबाद का साथ दिया है। उधर, अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस फरमाते हैं कि भारत को आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन उसे यह भी ध्यान रखना होगा कि हालात हाथ से न निकल जाएं! यह वही अमेरिका है, जो इजरायल को गाजा में कुछ भी करने की छूट देता है। उसे रूस द्वारा यूक्रेन पर ढाए गए जुल्मों की भी कोई चिंता नहीं, वॉशिंगटन को अगर फिक्र है, तो सिर्फ अपने खजाने की। पहलगाम में जिस तरह हिंदुओं को अपमानजनक तरीके से मारा गया, उसके बाद भला कोई शक बचता है कि इसके पीछे कौन है? हत्यारे पश्तो बोल रहे थे, उनके काम करने के तरीके से स्पष्ट था कि उनका सारा प्रशिक्षण पाकिस्तानी सैन्य छावनियों में हुआ है।

यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय सेनाओं को माकूल कार्रवाई के लिए अधिकृत कर चुके हैं। तब से अब तक 7, लोक-कल्याण मार्ग, नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक में रणनीतिक बैठकों का दौर जारी है। इसी क्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने अमेरिकी समकक्ष रक्षा सचिव को फोन कर भारत का इरादा और संकल्प जाहिर कर चुके हैं। एस जयशंकर की अगुवाई में समूचा विदेश मंत्रालय विश्व जनमत को अपने पक्ष में करने के लिए दिन-रात जुटा है।

इराक में 'ऑपरेशन डेजर्ट' का नेतृत्व करने वाले अमेरिकी जनरल हर्बर्ट नॉर्मन श्वार्जकोफ ने कहा था, शांतिकाल में आप जितना पसीना बहाते हैं, युद्धक्षेत्र में उतना ही कम खून बहाना पड़ता है। हमें इस संवेदनशील समय में अपनी सरकार और उसके नेतृत्व पर भरोसा करना चाहिए, क्योंकि जो लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली से वाकिफ हैं, वे जानते हैं कि भारत आज नहीं तो कल, ऐसी कार्रवाई करेगा, जिसे दुनिया याद रखेगी। ऑपरेशन बालाकोट और सर्जिकल स्ट्राइक इसके उदाहरण हैं।

इस नाजुक वक्त में भी कुछ लोग सांप्रदायिकता का बीज रोपने में लगे हैं। पिछले दिनों वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर के बाहर कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया। उनकी मांग थी कि मंदिर की सेवा में जुटे मुस्लिमों का बहिष्कार किया जाए। मंदिर ट्रस्ट का जवाब दो टूक था। ये लोग सदियों से भगवान के वस्त्र, मुकुट और चूड़ियां बनाते आए हैं। इन्हें खुद से अलग नहीं किया जा सकता। समझ और नासमझी के ऐसे तमाम उदाहरण सोशल मीडिया पर तैर रहे हैं।

हमें भूलना नहीं चाहिए कि इस समय जम्मू-कश्मीर पहली बार शेष देश के साथ दहशत और दहशतगर्दी के खिलाफ उबल रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण गई 29 अप्रैल को दिखाई दिया। उस दिन जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने एक स्वर में न केवल आतंक और आतंकवादियों की निंदा की, बल्कि पूरे देश के साथ एकजुटता भी दिखाई। वहां के विधायकों का मानना है कि कश्मीर में यहां से आतंकवाद के अंत की शुरूआत हो रही है। ऐसे घटनाक्रम को नजरअंदाज कर विद्वेष फैलाने वाले यह भी भूल जाते हैं कि किस तरह समूचे देश की मस्जिदों में पहलगाम हमले की लानत-मलामत की गई। कोई भी ऐसा मुस्लिम नेता नहीं है, जिसने खुलेआम पाकिस्तान की आलोचना न की हो।

ऐसे में, सांप्रदायिक या क्षेत्रीय अलगाव की सुरसरी छोड़ने वाले खुद को देशभक्त कैसे कह सकते हैं? यह समय सरकार और समाज की एकजुटता का है, न कि विद्वेष और उकसावे का।

बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इसके अलावा दर्जनों लोग घायल भी हुए थे। इसे हाल के वर्षों के सबसे घातक आतंकी हमलों में से एक माना जा रहा है। हमले के बाद घाटी में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। हमले में शामिल आतंकियों की तलाश जारी है। इसके लिए सुरक्षाबल जगह-जगह कॉम्बिंग कर रहे हैं। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ रहा है। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर कई तरह की पाबंदियां लगाने का फैसला किया।

जातिगत जनगणना...यह महज आंकड़ों की लड़ाई नहीं

जातिगत जनगणना पर जो बहस चल रही है...वो महज आंकड़ों की लड़ाई नहीं है। ये असल में भारत के सामाजिक ढांचे को समझने और फिर उसे नए सिरे से गढ़ने की एक बड़ी कोशिश है। अब जो लोग इसका समर्थन करते हैं-उनका ये मानना है कि इससे पिछड़े और अति-पिछड़े वर्गों की सच्चाई सामने आएगी। उनकी शिक्षा कैसी है, उनकी आर्थिक स्थिति क्या है, उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कितना है-ये सब कुछ पहली बार साफ-साफ दिखेगा। और जब तस्वीर साफ होती है, तभी नीति भी ठोस बनती है। सरकार के पास आधार होगा-ताकि जो वंचित हैं, उन्हें समय पर, जरूरत के मुताबिक मदद दी जा सके।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जाति पर सोच हमेशा एक जैसी नहीं रही। जब जनसंघ से निकलकर भाजपा बनी थी-तब उस पर साफ लेबल लगा था- %ब्राह्मण-बनियों की पार्टी%। ऊंची जातियों की पार्टी। सत्ता से दूर और जमीन के मिजाज से भी थोड़ी कटी हुई। लेकिन 1985 में पहली बार पार्टी के भीतर गहरी सोच का मंथन शुरू हुआ। एक प्रस्ताव पास किया गया-मंडल आयोग की सिफारिशों का समर्थन करने का। ये पहली बार था जब भाजपा ने माना कि अगर इस देश में राजनीति करनी है, तो ओबीसी और दलित समाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मगर तभी देश में एक और लहर उठी-राम मंदिर आंदोलन की।

यहां से कमंडल बनाम मंडल की राजनीति शुरू हुई। भाजपा वापस हिंदुत्व के पथ पर लौट आई। जाति का विमर्श पीछे चला गया और आस्था का आंदोलन केंद्र में आ गया।

नरेंद्र मोदी की सरकार। और यहां से भाजपा की सोच में असली, ठोस और दूरगामी बदलाव शुरू हुआ। मोदी खुद ओबीसी पृष्ठभूमि से आते हैं।

उन्होंने बहुत जल्दी पहचान लिया कि हिंदू समाज का जो सबसे बड़ा हिस्सा है वो आज भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व में पीछे है। इसके बाद जो-जो कदम उठे, वो सिर्फ नीतियां नहीं थीं, वो एक लंबी सामाजिक रणनीति का हिस्सा थीं। 2019 में आर्थिक रूप से पिछड़ी अगड़ी जातियों को 10 प्रतिशत आरक्षण देना, उसी संतुलन की कोशिश थी। अब भाजपा के पास दो आधार थे-एक तरफ ओबीसी को सम्मान और दूसरी तरफ अगड़ों को सुरक्षा। अब जब जातिगत जनगणना की बात आई, तो मोदी ने इसे सिर्फ एक सामाजिक मुद्दा नहीं माना। उन्होंने इसे राष्ट्र-निर्माण के औजार की तरह देखा।

वह केवल एक जनगणना नहीं है। यह असल में हिंदू समाज के पुनर्गठन की योजना है। एक दूरदर्शी, ठोस, और सधी हुई रणनीति है। प्रधानमंत्री मोदी का यह फैसला आरक्षण की राजनीति को भी एक नया आधार देगा। अब बहसें भावनाओं पर नहीं, तथ्यों पर होंगी। नीतियां अब जातीय जनसंख्या के अनुपात पर टिकी होंगी। और यही वह जगह है...जहां नरेन्द्र मोदी आज वीपी सिंह से एक कदम आगे जाते हैं। वीपी सिंह ने सामाजिक न्याय की राजनीति शुरू की थी। मोदी उसे अब संस्थागत रूप दे रहे हैं-डेटा से, नीति से, और राष्ट्रवाद की भावना में रहते हुए। 10 साल सत्ता में रहने के बाद समाज सुधारक की भूमिका निभाने की ये कोशिश पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की मंडल कमीशन की कोशिशों को आगे ले जाने की ठोस पहल है।

प्रमुख सवाल है-क्या भारत अब अपनी सच्चाई को देखना चाहता है?

या उस सच्चाई से आंख चुराकर, फिर उसी पुराने ढांचे में जिएगा? अहम बात यह है कि यह सिर्फ राजनीति नहीं है...। यह विचारधारा, रणनीति और इतिहास की त्रिवेणी है। और अगर यह प्रयोग सफल हुआ तो नरेन्द्र मोदी को हम केवल प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि एक सामाजिक युगांतकारी विचारक के रूप में याद करेंगे।

तो अब सवाल आपके सामने है-क्या जातिगत जनगणना से समाज एक होगा या बंटेगा? क्या यह आंकड़ों की राजनीति है या सामाजिक न्याय की पुनर्परिभाषा? आप क्या सोचते हैं? और अगर ये सोच आपको गहराई तक छूती है-तो इस संवाद को आगे बढ़ाइए। दरअसल हर विकसित समाज थिंकर्स के जरिए आगे बढ़ने में सक्षम होता है। क्योंकि जब तक समाज सोचता नहीं, तब तक समाज बदलता नहीं।

वक्फ प्रशासन में महिलाओं की हिस्सेदारी से उनका सशक्तीकरण संभव!

वक्फ ने कई पीढ़ियों से समाज-कल्याण के विविध पक्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वक्फ इस्लाम में एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें लोग धर्मार्थ एवं धार्मिक उद्देश्यों के लिए अपनी संपत्ति या पैसा दान करते हैं। इन दानों से मिलने वाले लाभ का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए किया जाता है, जैसे स्कूल, अस्पताल, मस्जिद आदि का निर्माण और जरूरतमंदों को हर तरह का आश्रय प्रदान करना। यह व्यवस्था हमेशा से गरीब और वंचित समुदायों के लिए सहायता का एक मजबूत स्तंभ और माध्यम रही है। हालांकि, भले ही वक्फ ने कई लोगों को मदद पहुंचाई हो, पर मुस्लिम महिलाओं को अक्सर पीछे छोड़ दिया गया है या उन्हें नजरअंदाज किया जाता रहा है। उन्हें वक्फ से कभी भी समान अवसर या उचित लाभ नहीं मिले। इसका एक बड़ा कारण वक्फ प्रबंधन में उनकी सीमित भागीदारी और संसाधनों तक सीमित पहुँच को मान सकते हैं। यह असमानता लंबे समय से मौजूद है और इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। बदलाव लाने के लिए सरकार ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पेश किया इस कानून का उद्देश्य वक्फ को और अधिक समावेशी बनाना है, खासकर मुस्लिम महिलाओं के लिए। इस नजरिए से यह कई नए नियम पेश करता है, जो महिलाओं को संपत्ति में उनका उचित हिस्सा, वित्तीय सहायता और वक्फ मामलों में निर्णय लेने की शक्तियां प्रदान करते हैं। यह इस्लामी दान में लैंगिक समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। नए कानून में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक विशेष प्रकार के वक्फ में महिलाओं के उत्तराधिकार, अधिकारों की सुरक्षा है, जिसे वक्फ -अलल-औलाद कहा जाता है।

इस प्रकार का वक्फ आमतौर पर परिवारों द्वारा अपने बच्चों और वंशजों के लाभ के लिए बनाया जाता है, लेकिन कभी-कभी परिवार के लोग इसका इस्तेमाल बेटियों को उनकी संपत्ति में हिस्सा देने से रोकने के लिए करते हैं और सब कुछ वक्फ को समर्पित कर देते हैं। इस अनुचित प्रथा को रोकने के लिए अधिनियम में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कोई भी संपत्ति वक्फ को तब तक नहीं दी जा सकती, जबतक कि सभी महिला उत्तराधिकारियों को विरासत का उनका कानूनी हिस्सा नहीं मिल जाता।

धारा3ए(2) के तहत कवर किया गया यह नियम सुनिश्चित करता है कि बेटियों, विधवाओं और माताओं को वक्फ का हिस्सा बनने से पहले उनके अधिकार से वंचित न किया जाए। यह कदम न्याय लाता है और इस्लाम की शिक्षाओं का पालन करता है, जो स्पष्ट रूप से महिलाओं को विरासत में निश्चित हिस्सेदारी प्रदान करता है। यह परिवारों को महिलाओं को संपत्ति देने से बचने के लिए वक्फ प्रणाली का दुरुपयोग करने से भी रोकता है। अब, संपत्ति को वक्फ में बदलने से पहले हर महिला को उसका उचित हिस्सा मिलेगा। नया कानून वक्फ -अल-औलाद के उद्देश्य का भी विस्तार करता है।

पहले, इस प्रकार के वक्फ का इस्तेमाल ज्यादातर पुरुष वंशजों को सहारा देने के लिए किया जाता था, लेकिन अब, इसका इस्तेमाल धारा 3(आर)(द्व1) के तहत विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथों को वित्तीय मदद देने के लिए किया जा सकता है। यह एक बहुत ही सकारात्मक बदलाव है, क्योंकि यह मुश्किल जीवन स्थितियों में महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा देता है।

विधवाओं को अक्सर अपने पतिको खोने के बाद कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनके पास आय या सहायता का कोई स्रोत नहीं हो सकता है। इसी तरह, तलाकशुदा महिलाएं और अनाथ आर्थिक रूप से कमजोर हो सकते हैं। यह कानून सुनिश्चित करता है कि उन्हें भुलाया न जाए और वे अपनी बुनियादी जरूरतों, शिक्षा, स्वास्थ्य और आश्रय के लिए वक्फ फंड से सहायता प्राप्त कर सकें। यह कदम न्याय, करुणा और कमजोर या जरूरतमंदों लोगों की देखभाल के इस्लामी सिद्धांतों के अनुरूप है।

वक्फ के पैसे का इस्तेमाल उनके हित में करने से समाज अधिक समान रूप से देखभाल करने वाला बनता है और तब वक्फ व्यवस्था सामाजिक भलाई के लिए एक सच्चा साधन बन जाती है। अधिनियम में एक और बड़ा सुधार वक्फ शासन में महिलाओं को शामिल करना है। पहली बार, अब प्रत्येक राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद के सदस्य के रूप में कम से कम दो मुस्लिम महिलाओं का होना अनिवार्य है, जैसा कि क्रमश: धारा 14 और धारा 9 में उल्लेख किया गया है। पहले, वक्फ के बारे में अधिकांश निर्णय केवल पुरुषों द्वारा लिए जाते थे। नतीजतन, महिलाओं की चिंताओं और विचारों को अक्सर नज़रअंदाज कर दिया जाता था, लेकिन अब, नेतृत्व की भूमिकाओं में अधिक महिलाओं के साथ, महिलाओं की ज़रूरतों और कल्याण का बेहतर प्रतिनिधित्व होगा।

कटनी की बेटी पर्णिका जैन की मौत बनी रहस्य

परिवार ने दिल्ली पुलिस पर उठाए गंभीर सवाल

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले की 28 वर्षीय पर्णिका जैन की रहस्यमय मौत ने पूरे कटनी जिले को झकझोर कर रख दिया है। 28 अप्रैल को दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज स्थित उनके ससुराल में कटनी जिले की बेटी पर्णिका की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। लेकिन इस दुखद घटना ने एक और गहरा जख्म तब दिया जब उनके परिवार ने पुलिस पर निष्पक्ष जांच में लापरवाही बरतने और सच को दबाने का आरोप लगाया।

पर्णिका के पिता अजय कुमार जैन ने भावुक स्वर में बताया कि वसंत कुंज उत्तर थाने की पुलिस ने शुरुआती दौर में एफआईआर दर्ज करने से इंकार कर दिया और कई अहम साक्ष्यों की अनदेखी की। उन्होंने कहा, लगातार आग्रह और दबाव बनाने के बाद ही एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन तब तक कई जरूरी तथ्य मिटाए जा चुके थे। पर्णिका के परिजन जो दिल्ली से 800 किलोमीटर दूर कटनी में रहते हैं, उन्होंने बताया कि उन्हें बेटी की मौत की जानकारी कई घंटे बाद दी गई, जब वे किसी भी तरह दिल्ली नहीं

पहुंच सकते थे। यह देरी, उनके अनुसार, एक साजिश की ओर इशारा करती है। परिवार का कहना है कि पर्णिका जैन लंबे समय से घरेलू हिंसा का शिकार थीं। आरोप है कि पति डॉ. आयुष भदौड़ा अक्सर दहेज की मांग करता था और उस पर शारीरिक हमला करता था। घटना से कुछ घंटे पहले भी पर्णिका ने अपने पिता को फोन कर बताया था कि उसे पूरे शरीर में दर्द हो रहा है और वह डरी हुई है। उसने कहा ङ्क मुझे नहीं लगता मैं बच पाऊंगी

पर्णिका के पिता अजय जैन ने बताया, उसकी आवाज कांप रही थी। वह रो रही थी। उसने कहा कि उसे लग रहा है वो अब नहीं बचेगी। यह कॉल अब एकमात्र गवाही बन गई है उस डर और दर्द की, जिससे पर्णिका गुजर रही थी। पर्णिका के परिवार ने यह भी चिंता जताई कि पोस्टमार्टम उसी सफदरजंग अस्पताल में किया गया जहां डॉ. भदौड़ा कार्यरत हैं। यह एक संभावित हितों के टकराव का मामला है। परिवार ने मांग की है कि जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा हो और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए। पर्णिका जैन का परिवार अब न्याय के लिए अभियान चला रहा है। वे चाहते हैं कि इस मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच हो ताकि एक बेटी को न्याय मिल सके और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मनुष्य का दायित्व बनता है वह प्रकृति का आदर करें और उसके साथ सांमजस्य स्थापित करें - कुलपति विमला वाई

कुलपति डॉ. विमला वाई ने विभिन्न इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और प्रतिष्ठित शिक्षकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, मां शाकुंभरी यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रोफेसर डा. विमला वाई ने कहा कि मनुष्य को स्वयं को प्रकृति से ऊपर नहीं समझना चाहिए और न हीं उसके साथ छेड़छाड़ करनी चाहिए। मनुष्य का दायित्व बनता है कि वह प्रकृति का आदर करें और उसके साथ सांमजस्य स्थापित करें। कुलपति विमला वाई ने आज यह बात इस्लामिया डिग्री कॉलेज देवबंद में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि कोई तीन हजार वर्ष पहले जब इस पूरे क्षेत्र में प्रलय आई थी तो मनुष्य की परवरिश और भरण पोषण के लिए प्रकृति ने शाक-भाजी उपलब्ध कराई थी। उन्होंने शिक्षकों और छात्र दोनों से कहा कि जैसे मनुष्यों की पहचान और ख्याति उसके खानदान से होती है तो यही बात मां शाकुंभरी यूनिवर्सिटी से जुड़ी है। आपकी प्रतिष्ठा इसी यूनिवर्सिटी की सफलता और उपलब्धियां से जुड़ी है। उन्होंने

लोगों का आह्वान किया कि वे प्रेम, सद्भाव, शांति के साथ रहे और आगे बढे। क्रोध एवं ईर्ष्या से न मनुष्य का हित होगा, न समाज और न देश का। कुलपति डॉ. विमला वाई ने विभिन्न इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और प्रतिष्ठित शिक्षकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। डा. विमला ने प्रमुख सामाजिक शख्सियतों वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल, अशोक गुप्ता, सेठ कुलदीप कुमार छाबड़ा, वजाहत शाह कमल देवबंदी को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में कमिश्नर अटल कुमार राय को भी शामिल होना था लेकिन प्रशासनिक व्यस्तता के कारण वह नहीं आ सके। इस्लामिया ग्रुप आफ कॉलेज के अध्यक्ष अजीमुलहक सिद्दीकी ने कुलपति डा. विमला को संस्था की ओर से सम्मानित किया। इस्लामिया डिग्री कॉलेज के प्रबंधक एवं प्राचार्य वकील अहमद ने मुख्य आतिथि एवं विशिष्ट जनों का स्वागत किया और संस्था की ओर से उनका आभार जताया।

जब-जब धर्म की गति धीमी पड़ने लगती है, तब-तब इस धर्म की धरा पर भगवान का अवतार होता है : कथा व्यास विनय प्रकाश तिवारी

कथा में भगवान श्री कृष्ण का जन्म दिवस बड़े धूम से मनाया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर के शिव चौक मोहल्ला कायस्तवाड़ा स्थित दीपक राज सिंघल के मकान पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिन कथा व्यास आचार्य विनय प्रकाश तिवारी ने कहा कि जब-जब धर्म की गति धीमी पड़ने लगती है अतिसय ग्लानि उत्पन्न होती है तब- तब इस धर्म की धरा पर भगवान का अवतार होता है और भगवान केवल राक्षसों के वध के लिए ही नहीं आते बल्कि अपने प्रेमी जनो से मिलने आते है, क्योंकि भारत धर्म की मोक्ष की भूमि है। यहां से धर्म उठ गया तो पूरे विश्व का विनाश हो जायेगा। इसलिए यहां आये दिन भगवान की कथाओं का आयोजन होता रहता है, क्योंकि इतिहास में कोई ऐसा देश नहीं है जहां भगवान का अवतार हुआ हो। आगे कथा व्यास आचार्य विनय प्रकाश तिवारी ने वर्णन करते हुए कहा कि जीव का बृजवासी बनना बड़ा दुर्लभ है लेकिन भागवत कथा 7 दिन के लिए सभी श्रोताओं को बृजवास का फल देती है। अगर इसे कोई अपने जीवन में उतार ले और मान ले तो वह बृजवासी बन जाता है। फिर उसके योग क्षेम की जिम्मेदारी वृन्दावन बिहारी की हो जाती है। जिसे भगवान ने एक बार पकड़ा फिर उसे कभी छोड़ते नहीं है। आज की कथा में भगवान श्री कृष्ण का जन्म दिवस बड़े धूम से मनाया गया। उन्होंने कहा कि दीपकराज सिंघल का घर मानो गोकुल बन गया। जिसमें दूर-दूर से भगवत प्रेमी रसीको का आगमन हो रहा है। आज की कथा के यजमान अभिनंदन गर्ग एवं रेखा गर्ग रहे एवं प्रसाद रवि सैनी की ओर से रहा। कथा में मुख्य रूप से पंडित प्रणव शर्मा, रामदयालु जी महाराज, दीपक राज सिंघल, राकेश मित्तल, राजकुमार मित्तल, देवी दयाल शर्मा, पंकज गुप्ता, शिवम सिंघल, रजनीश सिंघल, रामकुमार वर्मा, विजेश कंसल, राजीव शर्मा, राजेश गुप्ता, नाथूराम शर्मा, मुकेश गुप्ता, वीना सिंघल , निधि शर्मा, मंजू शर्मा, चारु सिंघल, साक्षी सिंघल, सोमलता शर्मा, मीनाक्षी, मंजू पाल, बबली शर्मा, मोना मित्तल सहित सैकड़ो महिला पुरुष भक्तजन उपस्थित रहे। संचालन सतीश गिरधर ने किया।

लगातार चुनाव कराना देश के हित में नहीं, बार-बार होने वाले चुनाव विकसित भारत की राह में सबसे बड़ी बाधा :- सुनील बंसल

समय, धन, ऊर्जा एवं समृद्धि विकास के लिए एक राष्ट एक चुनाव पर चर्चा करना आवश्यक है – पदमश्री भारत भूषण

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर। देवबंद, मेपल्स एकेडमी में एक राष्ट्र, एक चुनाव, एक दृष्टि, एक दिशा लक्ष्य पर आधारित एक विचार संगम कार्यक्रम का आयोजन राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह के सौजन्य से किया गया। जिसका उद्देश्य भारत की चुनावी प्रक्रिया को मजबूत बनाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पदमश्री ज्ञान एवं योग गुरू आचार्य डॉ. भारत भूषण द्वारा की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, विशिष्ट अतिथि लेखक, एंकर व संपादक अशोक श्रीवास्तव रहे। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ चित्रा जोशी एवं प्रबंध समिति द्वारा मॉ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ एवं विशिष्ट अतिथियों का तिलक लगाकर व गुलदस्ता देकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मेपल्स एकेडमी द्वारा पेटिंग एवं एक देश एक चुनाव विचारधारा को आर्ट गैलरी के माध्यम से अपने विचारों को प्रस्तुत किया गया। मेपल्स एकेडमी के प्रांगण में एकत्र राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहा कि लगातार चुनाव कराना देश के हित में नहीं है। बार-बार होने वाले चुनावों को विकसित भारत की राह में सबसे बड़ी बाधा बताते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को लागू करने से विकास में तेजी आएगी और पारदर्शिता के साथ हम चुनावों की प्रक्रिया को संपूर्ण कर सकेंगे। इस प्रक्रिया में सभी राज्यों में लोकसभा और विधानसभा चुनाव को एक ही समय पर कराना होगा। इससे अपनाने से सुव्यवस्थित तरीके से चुनाव होंगें और चुनाव की आवृत्ति को भी कम किया जा सकता है। जिससे समय और संसाधन दोनो की ही बचत होगी। वरिष्ठ पत्रकार अशोक

श्रीवास्तव ने एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इस चुनावी प्रक्रिया से हमारे देश की विकास दर 1.5 प्रतिशत बढ़ेगी तथा सरकार ठोस निर्णय लेने में सक्षम होगी। इसी श्रंखला में

पदमश्री ज्ञान एवं योग गुरू आचार्य डॉ. भारत भूषण ने अपना वक्तव्य रखते हुए कहा कि भारत सबसे पहला राष्ट्र है, सबसे पहली संस्कृति है जिसने दुनिया को जीने क राह दिखाई। जीवन में सबसे मूल्यवान चीज समय, धन, ऊर्जा एवं समृद्धि विकास के लिए एक राष्ट एक चुनाव पर चर्चा करना आवश्यक है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अशोक श्रीवास्तव द्वारा लिखित मोदी v/s खान मार्केट गैंग पुस्तक का विमोचन भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अतं में राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट हुए कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव की प्रक्रिया नागरिकों को हर स्तर पर शासन को सक्रिय रूप से आकार देने में सक्षम बनाता है। इससे मतदाता अपने निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही दिन दोनों स्तरों के लिए अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टॉफ मौजदू रहा।

ग्राम खेड़ा मे पंच कुण्डीय श्री राम मारुती महायज्ञ का आयोजन होगा

8 मई से 12 मई तक तालाब के पास महायज्ञ का आयोजन होगा

बदनावर- ग्राम खेड़ा मे पाटीदार समाज द्वारा श्री राम मारुती महायज्ञ पंच कुण्डीय पांच दिवसीय 8 मई से 12 मई तक तालाब के पास महायज्ञ का आयोजन होगा। यज्ञ शाला के पास परिसर मे बनाई गई है । विगत कई दिनों से समाजजन द्वारा तैयारी की जा रही है श्री राम मारुती महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव का धूमधाम से मनाया जाएगा। पांच दिवसीय महायज्ञ मे प्रात: 8 बजे से शाम की 6 बजे तक आहुति दी जाएगी। यह आयोजन आचार्य पं. कांतिलाल जोशी (खेड़ा, बदनावर) के सानिध्य मे सपन्न होगा। 6 मई मंगलवार को हेमाद्री स्नान/हनुमान जी का अभिषेक होगा। 30 बाय 30 में यज्ञशाला बनाई गई।यज्ञशालाा की हाइट 21 फीट रहेगी । यज्ञशाला में लकड़ी की बलिया व सीरकी का उपयोग किया गया है। 7 मई गंगाजल बुधवार को सुबह 8 बजे यज्ञ शाला से निकाली जाएगी।गंगाजल के लिए रवि-वालचंदजी पाटीदार (बोरवेल)

27000 रु, बोली लगाई गई।पांच दिवसीय आयोजन में पंच कुण्डात्मक महायज्ञ प्रधान कुण्ड मुख्य यजमान (घी आहुति) बद्रीलाल नंदराम नाहर 51000रु , प्रधान कुण्ड यजमान (जौ तिल आहुति) हरिश भगवतीलाल मुकाती 22000रु, द्वितीय कुण्ड यजमान (घी आहुति)धन्नालाल भागीरथ पाटीदार 21000रु,द्वितीय कुण्ड यजमान (जौ तिल आहुति) मनोज- राजू पटेल 20000 रु,तृतीय कुण्ड यजमान (घी आहुति) जगदीश मोहनलाल पाटीदार 19000रु,तृतीय कुण्ड यजमान (जौ तिल आहुति) कांतीलाल रामाजी (भूरु सेठ) 17000रु,चतुर्थ कुण्ड यजमान (घी आहुति) रमेश बाबुलाल जी पाटीदार 21000रु,चतुर्थ कुण्ड यजमान (जौ तिल आहुति) विक्रम-मोहनलाल जी पाटीदार 16000रु पंचम कुण्ड यजमान (घी आहुति) रमेश मांगीलाल जी पाटीदार मा.सा. 21000रु पंचम कुण्ड यजमान (जौ तिल आहुति) घनश्याम पुना जी पाटीदार (बैंक वाले) 17000रु द्वारा बोली लगाई गई। विगत कई दिनों से हवन कुंड की तैयारी मे समस्त पाटीदार समाज आयोजन मे सहयोग दे रहे है।

शिव महापुराण कथा एवं खाटू श्याम भजन संध्या शिव महापुराण 7 मई से 11 मई रात्रि 7.30 से 10.30 बजे तक कथा वाचक प.धनराजे पुरोहित द्वारा की जाएगी और खाटू श्याम भजन संध्या 12 मई रात्रि 8 बजे से आयोजन होगा।

पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी (भण्डारा) महायज्ञ की पूर्णाहुति 12 मई सोमवार को दोपहर 3 बजे एवं महाप्रसादी (भण्डारा) शाम 5 बजे पाटीदार समाज धर्मशाला मे रहेगा। आयोजक द्वारा समस्त धर्मप्रेमी जनता से अनुरोध है की इस महोत्सव मे सह परिवार व समस्त इष्टमित्रों एवं समस्त बंधुओं सहित अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लेवें और मानव जीवन को धन्य बनाएं पाटीदार समाज द्वारा अपील की है

एमडीएमए ड्रग की तस्करी करते 02 आरोपी गिरफ्तार, दो लाख की एम डी ड्रग और पल्सर बाइक जब्त

रतलाम, अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ जिले में चलाये जा रहे अभियान के तहत सैलाना पुलिस ने बड़ी उपलब्धि अर्जित की है। सैलाना पुलिस ने अवैध MDMA की तस्करी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो लाख रु मूल्य की 20 ग्राम MDMA और तस्करी में प्रयुक्त की जा रही पल्सर बाइक जब्त। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन मे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा, एस. डी.ओ.पी सैलाना नीलम बघेल के मागर्दशन मे थाना प्रभारी सैलाना निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह गडरिया के द्वारा अपनी टीम के साथ मुखबीर सुचना पर रतलाम बांसवाडा रोड धामनोद फन्टा सैलाना जिला रतलाम से आरोपीगण अफरोज पिता वाहिद खां मेव निवासी ताजपुर जिला उज्जैन व युनुस पिता निसार खां निवासी कुशलगढ थाना पिपलोदा जिला रतलाम की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक प्लास्टिक की पारदर्शी थैली मे भरा मादक पदार्थ MDMA ड्रस कुल वजन 20 ग्राम किमती 2,00,000 रूपये मिला। जिसकी पहचान व तोल की कार्यवाही उपरान्त आरोपीगण से मादक पदार्थ MDMA ड्रग्स कुल वजन, 20 ग्राम किमती 2,00,000

रूपये का जप्त किया गया ।

आरोपीगण के विरुद्ध थाना सैलाना पर अप क्र 191/25 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण मे आरोपीगण से जप्त मादक पदार्थ के स्त्रोत के बारे मे पुछताछ करने पर अन्य आरोपी इमरान पिता राजु खां मेव निवासी ग्राम हतनारा थाना पिपलौदा तथा समीर पिता मुख्तीयार निवासी हतनारा थाना पिपलोदा को देने जाना बताया एवं अन्य साथियो के बारे में भी पुछताछ की जा रही है। गिरफ्तारशुदा आरोपीगण को आज न्यायालय में पेश किया जाकर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी ।

गिरफ्तार आरोपी 01. अफरोज पिता वाहिद खां मेव निवासी ताजपुर जिला उज्जैन

02. युनुस पिता निसार खां निवासी कुशलगढ थाना पिपलोदा जिला रतलाम

अन्य आरोपी 01. इमरान पिता राजु खां मेव निवासी ग्राम हतनारा थाना पिपलौदा

02. समीर पिता मुख्तीयार निवासी हतनारा थाना पिपलौदा

जप्त शुदा मश्रुका- मादक पदार्थ MDMA ड्रस कुल वजन 20 ग्राम किमती 2,00,000 रूपये तथा 01 बजाज पल्सर मोटर साईकल बिना नम्बर की किमती 1,00,000 रुपये कुल किमती 3,00,000/- रुपये

मुख्य भूमिका अवैध मादक पदार्थ जब्त करने में निरी. सुरेन्द्रसिंह गडरिया थाना प्रभारी पुलिस थाना सैलाना, उनि आरपी सारस्वत, सउनि शिवजी यादव, प्रआर 151 हेमन्त जाट, प्रआर 482 महेन्द्र सिंह, आर 668 मुकेश मेघवाल, आर 638 विजय मोहनिया, आर 752 तुफान भुरिया, आर 1186 भारत अलावा, आर 727 दिनेश पाटीदार, आर 1065 राजु निनामा की सराहनीय भूमिका रही।

अंधे कत्ल का खुलासा

नाबालिक बालिका का हत्यारा 24 घंटे में गिरफ्तार

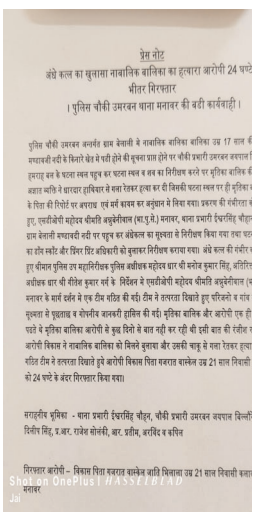

प्रेस नोट
अंधे कत्ल का खुलासा नाबालिक बालिका का हत्यारा आरोपी 24 घण्टे
भीतर गिरफ्तार
। पुलिस चौकी उमरबन थाना मनावर की बडी कार्यवाही।

पुलिस चौकी उमरबन अन्तर्गत ग्राम बेलाली मे नाबालिक बालिका बालिका उम्र 17 साल की
मण्डावजी नदी के किनारे खेत मे पडी होने की सूचना प्राप्त होने पर चौकी प्रभारी उमरबन जयपाल
हमराह बल के घटना स्थल पहुच कर घटना स्थल व शव का निरीक्षण करने पर मृतिका बालिक की
अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हाथियार से गला रेतकर हत्या कर दी जिसकी घटना स्थल पर ही मृतिका
के पिता की रिपोर्ट पर अपराध एवं मर्ग कायम कर अनुंधान मे लिया गया। प्रकरण की गंभीरता
हुए, एसडीओपी महोदय श्रीमति अनुबेनीवाल (भा.पु.से.) मनावर, थाना प्रभारी ईश्वरसिंह चौहान
ग्राम बेलाली मण्डावदी नदी पर पहुच कर अंधेकत्ल का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया तथा घट
का डॉग स्कॉट और फिंगर प्रिंट अधिकारी को बुलाकर निरीक्षण कराया गया। अंधे कत्ल की गंभीर
हुए श्रीमान पुलिस उप महानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक महोदय धार श्री मनोज कुमार सिंह, अतिरि
अधीक्षक धार श्री गीतेश कुमार गर्ग के निर्देशन मे एसडीओपी महोदय श्रीमति अनुबेनीवाल
मनावर के मार्ग दर्शन मे एक टीम गठित की गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए परिजनो व गांव
सूक्ष्मता से पूछताछ व गोपनीय जानकारी हासिल की गई। मृतिका बालिक और आरोपी एक ही
पढते थे मृतिका बालिका आरोपी से कुछ दिनो से बात नही कर रही थी इसी बात की रंजीश
आरोपी विकास ने नाबालिक बालिका को मिलने बुलाया और उसकी चाकू से गला रेतकर हत्या
गठित टीम ने तत्परता दिखाते हुये आरोपी विकास पिता गजरात वास्केल उम्र 21 साल निवासी
को 24 घण्टे के अंदर गिरफ्तार किया गया।

सराहनीय भूमिका - थाना प्रभारी ईश्वरसिंह चौहन, चौकी प्रभारी उमरबन जयपाल बिल्लौ
दिलीप सिंह, प्र.आर. राजेश सोलंकी, आर. प्रतीम, अरविंद व कपिल

गिरफ्तार आरोपी - विकास पिता गजरात वास्केल जाति भिलाला उम्र 21 साल निवासी कला
मनावर

धार

पुलिस चौकी उमरबन थाना मनावर की बड़ी कार्रवाई

पुलिस चौकी उमरबन अंतर्गत ग्राम बेलाली मैं नाबालिक बालिका उम्र 17 साल की लाश मंडावरी नदी के किनारे खेत में पड़ी होने की सूचना प्राप्त होने पर चौकी प्रभारी उमरबन जयपाल बिल्लोरे घटनास्थल पर पहुंच कर घटना स्थल व शव का निरीक्षण करने पर मृतिका बालिका की किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी जिसकी घटना स्थल पर ही मृतिका बालिका के पिता की रिपोर्ट पर अपराध एवं मर्ग कायम कर अनुसंधान में लिया गया प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी महोदय श्रीमती अनु बेनीवाल मनावर थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान घटना ग्राम बेलाली मंडावदी नदी पर पहुंच कर अंधे कत्ल का निरीक्षण किया गया तथा घटनास्थल का डॉग स्कर्ट और फिंगरप्रिंट अधिकारी को बुलाकर निरीक्षण करवाया गया अंधे कत्ल की गंभीर को देखते हुए श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक महोदय धार श्री मनोज कुमार सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार श्री गितेश कुमार गर्ग के निर्देशन में एचडीओपी महोदय श्रीमती अनु बेनीवाल मनावर के मार्गदर्शन में एक टीम गठित की गई टीम के तत्परता दिखाते हुए परिजनों व गांव लोगों से पूछताछ व गोपनीय जानकारी हासिल की गई है मृतिका बालिका और आरोपी एक ही कक्षा में पढ़ते थे मृतिका बालिका आरोपी से कुछ कुछ दिनों से बात नहीं कर रही थी इसी बात की रंजीश रखते हुए आरोपी विकास ने नाबालिक बालिका को मिलने बुलाया और उसकी चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी गठित टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी विकास पिता गुजरात वास्केल उम्र 21 साल निवासी ग्राम कलालदा को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया गया सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी ईश्वर सिंह चौहान चौकी प्रभारी उमरबन जयपाल बिल्लू रे दिलीप सिंह राजेश सोलंकी आर प्रतिम अरविंद व कपिल गिरफ्तार आरोपी विकास पिता गजरात वास्केल जाती भी लाल उम्र 21 साल निवासी कलालदा

व्योम ने किया कमाल - मिला RMS चैल का जॉइनिंग लेटर

उज्जैन

गांव लसूडिया खेमा, तहसील खाचरौद, जिला उज्जैन निवासी 10 वर्षीय व्योम पुत्र नन्दकिशोर पाटीदार ने पहले ही प्रयास में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल (RMS), चैल में प्रवेश पाकर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित कर दिया है । व्योम वर्तमान में द वर्धमान हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल, खाचरौद में कक्षा पाँचवी का छात्र है । कम उम्र में इतनी बड़ी उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार को गौरवान्वित किया है, बल्कि पूरे मालवा अंचल के लिए यह एक प्रेरणास्पद मिसाल बन गई है । RMS चैल रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत के प्रमुख सैन्य आवासीय स्कूलों में से एक

है, इसकी चयन प्रक्रिया कठिन मानी जाती है, जिसमें लिखित परीक्षा, इंटरव्यू और मेडिकल जाँच शामिल होती है। व्योम ने अपने दृढ़ निश्चय और मेहनत से इस लक्ष्य को हांसिल किया है परिवारजनों, शिक्षकों और गाँव के लोगों में उत्साह का माहौल है । छात्र व्योम पाटीदार की इस उपलब्धि पर सभी ने बधाई दी और उसके उज्वल भविष्य की कामना की ।

पूज्यश्री धर्मदास गण परिषद व थांदला श्रीसंघ व लाभार्थी परिवार ने सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया

जैन भगवती दीक्षा व अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव में तीन दिन में आये 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालु

झाबुआ थांदला

जय पूज्य धर्मदास पूज्य गुरुदेव सौभाग्य - सूर्य - उमेशाचार्य व वर्तमान प्रवर्तक देव श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा - 26 व पूज्या श्री मधुबालाजी, पूज्या श्री धैर्यप्रभाजी, पूज्या श्री संयमप्रभाजी, पूज्या श्री पुण्यशीलाजी व पूज्य श्री निखिलशीलाजी आदि ठाणा - 34 के परम सानिध्य में पूज्य श्री धर्मदास गण परिषद व थांदला श्रीसंघ द्वारा आयोजित अक्षय तृतीया दीक्षा व पारणा महोत्सव के अदभुत, अविश्वनीय व अकल्पनीय सफलता जिसमें मध्यप्रदेश सहित अनेक राज्यों से करीब 330 वर्षीतप आराधकों व हजारों की संख्या में पधारें गुरू भक्तों का आत्मीय सत्कार व उनकी सेवा भक्ति तथा संयम - तप अनुमोदना का लाभ श्रीसंघ के माध्यम से स्व. शांताबाई सुरेन्द्रकुमार तलेरा परिवार ने लिया था जिसकी व्यवस्था में थांदला सकल जैन श्रीसंघ के साथ हिन्दू सामाजिक संगठन, सेवा भारती, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद के साथ नगर के अन्य जेनेत्तर बंधुओं व नगरीय प्रशासन का आत्मीय सहयोग मिला। इस हेतु थांदला श्रीसंघ ने एक समीक्षा बैठक आयोजित कर सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। पूज्य श्री धमर्दास गण परिषद व श्रीसंघ अध्यक्ष भरत भंसाली, गण के महासचिव शैलेश पीपाड़ा (रतलाम) व संघ सचिव प्रदीप गादिया, लाभार्थी परिवार के राकेश तलेरा ने बताया कि उनके आत्मीय निमंत्रण पर आने वालें करीब 200 श्रीसंघों के हजारों गुरुभक्तों ने उन्हें सेवा का सुअवसर प्रदान किया था जिनकी सेवा भक्ति स्थानीय संस्थाओं व प्रशासन के बिना अधूरी रहती लेकिन सबने अपनी जिम्मेदारी समझी व सबने अपनी शक्ति सामर्थ्य अनुसार कार्य सम्पादित किये इस हेतु सभी हिन्दू संगठनों व नगरीय प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है। संघ प्रवक्ता पवन नाहर ने बताया कि आयोजन में गणनायक प्रवर्तक देव ने थांदला के दो मुमुक्षु आत्माओं को 60 से अधिक संत - सतियाजी म.सा. एवं हजारों गुरु भक्तों की उपस्थिति मे दीक्षा प्रदान की। जिनमें मुमुक्षु श्री ललित भाई अब पूज्य श्री ललितमुनिजी म.सा. एवं मुमुक्षु श्री नव्या बहन अब महासती पूज्या श्री यशश्वी जी म. सा. के नाम से जाने जाएंगे जो क्रमश: पूज्य श्री अतिशयमुनिजी म. सा. व शासन प्रभाविका महासती पूज्या श्री संयमप्रभाजी म. सा. के शिष्य माने जायेंगें। धर्मदास गण में यह प्रथम अवसर है जब थांदला के 72 वर्षीतप आराधकों के साथ अन्य स्थानों के 330 से अधिक वर्षीतप आराधकों के पारणें एक साथ साआंनद संपन्न हुए जिसमें सैलाना निवासी तपस्वी श्री अभय मोगरा के तेले -तेले की तपस्या से वर्षीतप पारणा हुआ। आगे की जानकारी देते हुए नवयुवक मंडल अध्यक्ष रवि लोढ़ा, सचिव संदीप शाहजी, प्रवक्ता समकित तलेरा,

पवन नाहर ने बताया कि श्री धर्मदास गण परिषद के माध्यम से प्रथम बार संत- सतियों के वीर परिवार का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया जिसमें 80 से अधिक वीर परिवारों के सम्मान का लाभ दीक्षार्थी श्री ललितजी भंसाली के संयम अनुमोदनार्थ रत्नकुक्षी मातुश्री श्रीमती ताराबहन सुन्दरलाल जी भंसाली परिवार द्वारा लिया गया। दीक्षार्थी अभिनन्दन समारोह, संयम चाक, वर्षीदान यात्रा, विदाई समारोह, चौवीसी आदि अन्य आयोजनों में ऐतिहासिक उपस्थिति रही। दीक्षा एवं अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा महोत्सव आयोजन के मुख्य लाभार्थी स्व.श्रीमती शांता बहन सुरेंद्र जी तलेरा (नाकु सेठ)परिवार थे। इस हेतु कड़े परिश्रम के लिए राकेश तलेरा, प्रफुल्ल तलेरा का भी संघ ने बहुमान किया। सकल आयोजन को सफल बनाने मे गण की समस्त संस्थाओं के साथ निकट के अन्य श्री संघों, नवयुवक मण्डल, धर्मलता महिला मण्डल, अणु बालिका मण्डल के सदस्यों ने आवास व्यवस्था, धर्मसभा, पारणा स्थल, भोजनशाला आदि में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना सहयोग दिया उनके प्रति भी संघ ने हदय से आभार व्यक्त किया है। वही आयोजन में सेवा भारती व स्थानीय नगर परिषद के सदस्यों ने मुख्य रुप से यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, आवास स्थल आदि में व्यवस्थित रूप से सहयोग किया था जिससे किसी को कोई परेशानी नही हुई। आयोजन स्थल अणु पब्लिक स्कूल पर पर पूज्य श्री नंदाचार्य साहित्य समिति द्वारा पुस्तकों का स्टाल, अणु मित्र मंडल इंदौर द्वारा मोबाइल काउंटर एवं शुद्ध राख का काउंटर लगाकर अनुमोदनीय सहयोग प्रदान किया। वही पर्याप्त कवरेज कर जिन शासन की प्रभावना के लिए पत्रकारगणों का भी सहयोग मिला इसके लिए श्री संघ ने समस्त संस्था संचालकों व सहयोगी संस्थाओं के प्रति भी हदय से आभार व्यक्त किया है।

नहीं रुक रही पेड़ो की अवैध कटाई

जलाऊ लकड़ी की आड़ में लाखों की तस्करी का खेल.

उज्जैन

पर्यावरण संरक्षण सुरक्षा से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए केंद्र व राज्य सरकारे हरीयाली बनाए रखने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है. खाचरोद तहसील में भी पिछले समय एक पेड़ माँ के नाम में हजारो हजारों की सख्यां में पेड़ लगे है शासन प्रशासन ने बड़े जोरो से प्रचार प्रसार कर आमजन को जागरूक किया और हजारों लाखों की सख्या में पोधो को लगाने की होड़ मची थी. अभियान में लगे हजारों लाखों पोधो मे से कितने जिवीत है यह आकड़ा किसी भी विभाग के पास नहीं है स्वयं वन विभाग भी इसबात से अनभिज्ञ होगा कि जो पौधे लगे हैं जीवीत है या नहीं है वो कब बड़े होकर क्षेत्र को हराभरा करेगे और हरियाली फैलाकर पर्यावरण में कम हो रही आक्सीजन की पूर्ति करेगे यह भविष्य के गर्त में है. अफसोस यह की जो पेड़ आज निशुल्क आक्सीजन दे रहे है उन पर लकड़ी माफियाओं की नजरे लगी रहती है और फिर हजार पाच हजार के लालच देकर आरी चलादी जाती है. जीसपर कोई रोकने टोकने वाले नहीं, जो रोकते है सोसलमिडिया पर कटाई के विडियो डालकर शासन प्रशासन को आगह करने की कोशीस करते हैं तो उन्हें जान से मारने की धमकियाँ दी जाती है जीसपर पुलिस थाने पर आवेदन भी जाता है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं होती है थाना के सामने से ही ट्रालियों की खेफ जानती है लेकिन कहावत है कि अपना काम हे बनाता भाड़ में जाए जनता की नियति से दिखाई नहीं देती, लेकिन जनता सब जानती है सीसीटीवी कैमरे किस लिए लगाए हैं. क्या लकड़ी कटाई अपराध नही होता जीसपर पुलिस कार्यवाही नहीं हो सकती. शायद सभी विभागों के हाथ बंधे होते है जीसका जो जाने......? लेकिन आज के जो बढ़ते तापमान के हालात है उससे कोई भी मानव अनजान नही है और हरकोई पेड़ों की ठंडी छाव को ढुढते है लेकिन अफसोस जो हरे भरे पैड़ है उनपर भी लकड़ी माफीयाओ की खुलेआम आरी चल रही है. दुसरी और अटुट पर्यावरण प्रेमी राजेन्द्र जैन के द्वारा निस्वार्थ भाव से खाचरोद तहसील क्षेत्र में चारों और हराभरा करने के लिए वर्षो से समर्पित भाव से लगे है ठंड गरमी बारीस हर पौधा पेड़ ना बन जाए तब तक उसकी सुरक्षा करते है. जब उनसे पेडो की कटाई पर भाव जानना चाहा तो उनका कहना है क्या कर सकते कोई सुनेगा नहीं, अनगिनत शिकायतें दी है लेकिन कार्यवाही नहीं होती है इसलिए आज जो पेड़ों की कटाई हो रही है उसके विपरीत हम हजारों पोधे लगा कर पेड़ बनाने में जुटे है आखीर कब तक ओर किस हद तक. वो पेड़ों को काटेगे हम पोधे लगाकर पेड़ बनाते रहेगे...

जलाऊँ लकड़ी और पिछे का खेल... टेक्नोलॉजी के जमाने में भी जलाऊँ लकडीयो के नाम पर रोजाना खाचरोद तहसील में सैकडों की सख्या में हरे भरे पैड़ो की बली दी जा रही हे. और टेक्टरो ट्रालीयो से पल्लीयो से ढककर आरा मशीन पर पोस्ट मार्टम के पहले तोल काटे पर तुलवाया जाता है फिर आरा मशीन पर ले जाकर कटे हुए हरे भरे पेडों के अंगभंग कर लाखो रुपये राजस्व चुना लगाकर ट्रकों के माध्यम से बाहरी क्षेत्र में तस्करी कर ले जाती है और इस जलाऊँ लकड़ी के नाम से हो रहे बड़े खेल में प्रशासन की नजर नहीं जा रही है. खेर जो भी हो लेकिन प्रशासन को आज जो शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में हरे भरे पेड़ों को काटा जा रहा है उनपर सख्ती के साथ रोक लगाने की जरूरत है ! हम सभी ने कोरोना काल का भयावह रुप देख चुके है और उसके साथ ही प्रकृति में हो रहे उतार चढ़ाव भी दिख रहे है आज सभी को शुद्ध आक्सीजन की आवश्यकता है जो पेड़ों के अलावा कहीं नहीं मीलेगी, इस लीए जो है उसे बचाए. पेड़ों को कटने और काटने से बचाना ही पर्यावरण सुरक्षा का बड़ा कदम होगा !

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हेलीपैड में भव्य स्वागत किया गया

मंडला छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का रविवार को चौगान स्थित हेलीपैड में आगमन हुआ। मुख्यमंत्री श्री साय रागनगर में आयोजित ßआदिव्रउत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री श्री साय के आगमन पर सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांश कूमट ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

मुक्तिधाम की व्यवस्थाओं का डिप्टी कलेक्टर एवं प्र.सीएमओ ने किया निरीक्षण

स्वच्छता व्यवस्था के संबंध में दिए आवश्यक निर्देश

गुना

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री मंजुषा खत्री द्वारा गुना शहर की साफ सफाई व्यवस्था का प्रतिदिन सघनता से निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री मंजुषा खत्री द्वारा आज प्रातः बूढ़े बालाजी स्थित मुक्तिधाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुश्री खत्री ने मुक्तिधाम के संपूर्ण परिसर परिसर का अवलोकन कर साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि मुक्तिधाम में स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाए और नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए छाया, पेयजल, लाइट एवं बैठने की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही प्रवेश द्वार पर चौकीदार एवं सुरक्षा के लिए रात्रि कालीन गश्त के लिए निर्देशित किया। उन्होंने नगर पालिका के अमले को शहर के विभिन्न मुक्तिधाम की प्रतिदिन सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।

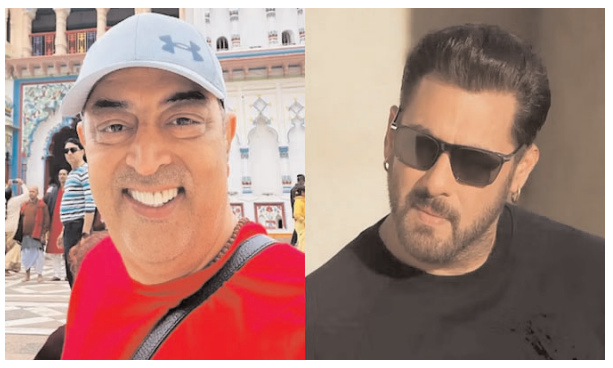

जन्मदिन की पार्टी में विन्दू दारा सिंह को मिला
सलमान खान की तरफ से खास तोहफा

अभिनेता विन्दू दारा सिंह अपने जन्मदिन का सेलिब्रेशन जोरों शोरों से कर रहे हैं। उन्हें सोशल मीडिया पर दिग्गज कलाकारों द्वारा बधाई संदेश मिल रहे हैं। अब एक वीडियो ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस वीडियो में बॉलीवुड के सुपरस्टार एक्टर सलमान खान ने उन्हें एक खास तोहफा दिया, जिसे देखकर विन्दू दारा सिंह की खुशी का ठिकाना ना रहा। आइए जानते हैं क्या है वह गिफ्ट, जिसने लोगों का खींचा ध्यान।

सलमान खान ने भेजा खास गिफ्ट अभिनेता विन्दू दारा सिंह अपना जन्मदिन 06 मई को मनाते हैं, लेकिन इसकी पार्टी उन्होंने एक दिन पहले शुरू कर दी है। इसमें कई स्टार कलाकार उन्हें बधाइयां देने पहुंच रहे हैं, जिसकी झलक उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर साझा की है। अब सोशल मीडिया पर उनकी पार्टी का ही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें एक्टर सलमान खान की तरफ से एक ब्रेसलैट गिफ्ट किए जाने का दावा किया जा रहा है। हालांकी, यह ब्रैसलेट बिल्कुल वैसा ही है जैसा सलमान खान पहनते हैं। इसे पहनते ही अभिनेता विन्दू दारा सिंह खुशी से झूमते दिख रहे हैं। आपको बताते चलें कि इस वीडियो में बॉलीवुड के भाईजान को नहीं देखा गया है।

जन्मदिन की जोरदार पार्टी में कई एक्टर्स शामिल एक्टर विन्दू दारा सिंह की जन्मदिन पार्टी पर कई एक्टर्स शामिल हुए, जिसका झलक अभिनेता के इंस्टाग्राम स्टोरी पर देखने को मिली। एक स्टोरी में भोजपुरी स्टार रवि किशन दिख रहे हैं और उसी में बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मुमताज भी दिख रही हैं। इसके अलावा भी कई कलाकार पार्टी में मौजूद रहे।

विन्दू दारा सिंह के बारे में
विंदू दारा सिंह ने साल 1994 में फिल्म करण से फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 1996 में पंजाबी फिल्म 'रब दिया रक्खा' में काम किया। फिर वह कई सारी पंजाबी फिल्मों में भी नजर आए। पंजाबी फिल्मों के अलावा विंदू ने हिंदी फिल्मों में भी अपना हाथा आजमाया और उन्होंने सलमान खान के साथ फिल्म गर्व, मैंने प्यार क्यों किया, पार्टनर में भी काम किया। इसके अलावा बात करें तो अभिनेता को धारावाहिक जय वीर हनुमान में हनुमान के किरदार के लिए भी जाना जाता हैं। हालांकि, उन्हें इससे खास सफलता नहीं मिली। इसके बाद साल 2009 में विंदू ने बिग बॉस सीजन 3 जीता था।

'मेट गाला 2025' में डेब्यू से पहले इस दुविधा में दिलजीत दोसांझ, फैंस से मांगी सलाह

पंजाबी अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ 'मेट गाला 2025' में हिस्सा लेने वाले हैं। दिलजीत दोसांझ कार्यक्रम में क्या पहन कर जाए इसे लेकर वह दुविधा में हैं। गायक और अभिनेता ने अपनी इस दुविधा को प्रशंसकों के साथ सोमवार को साझा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की और फैंस से पूछा कि वह 'मेट गाला 2025' में क्या पहन कर जाए।

प्रशंसकों को बताई दुविधा

सोमवार को दिलजीत दोसांझ इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उन्होंने मेट गाला आयोजकों से प्राप्त उपहारों को दिखाया। इस भव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए अपना उत्साह जताया। वीडियो के कैप्शन में अभिनेता ने लिखा, कल मेट गाला, 'मुझे बताओ कि कल क्या पहनना है?' इस वीडियो में दिलजीत ने 'मेट गाला' से मिले इन्विटेशन कार्ड को भी पढ़ा।

प्रशंसकों ने दिए सुझाव

दिलजीत के वीडियो शेयर करते ही उनके फैंस ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। कुछ ने उन्हें सुझाव भी दिया। एक प्रशंसक ने लिखा, 'मेट गला पंजाबी आ गए ओए।' एक और प्रशंसक ने सुझाव देते हुए लिखा 'कुर्ता चादरा', एक अन्य ने उन्हें ब्लैक सूट पहनने का सुझाव दिया। कुछ फैंस ने उनके 'मेट गाला 2025' में हिस्सा लेने के पर गर्व भी जताया।

ये भारतीय हो रहे मेट गाला में शामिल

अमेरिका में होने वाले इस इवेंट में कई भारतीय कलाकार शामिल होने वाले हैं। इसमें शाहरुख खान, कियारा आडवाणी, प्रियंका चोपड़ा का नाम सामने आ रहा है। इस लिस्ट में दिलजीत दोसांझ का नाम शामिल है। हालांकि, किंग खान न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं और कियारा आडवाणी भी अमेरिका के न्यूयॉर्क में ही हैं। इस बीच, सिद्धार्थ मल्होत्रा भी अपनी पत्नी कियारा आडवाणी के साथ रहने के लिए न्यूयॉर्क शहर पहुंच गए हैं।

महाराष्ट्रसरकार और प्राइम फोकस का बड़ा ऐलान
मुंबई में बनेगा 3000 करोड़ में वर्ल्ड क्लास एंटरटेनमेंट हब

जित मुम्बई- प्राइम फोकस ग्रुप ने महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर मुंबई में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए करीब 3000 करोड़ रुपये (यानी लगभग 400 मिलियन डॉलर) के बड़े निवेश के लिए हाथ मिलाया है।

यह निवेश दुनिया के सबसे पुराने फिल्म इंडस्ट्री हब में से एक के दिल में, सबसे एडवांस और डिजिटल रूप से जुड़े कंटेंट क्रिएशन इकोसिस्टम को तैयार करेगा।

ये नया हब, जहां वर्ल्ड क्लास एंटरटेनमेंट और लाइफस्टाइल का मज़ा मिलेगा, देश-विदेश से आने वाले टूरिस्टों को अपनी ओर खींचने के मकसद से तैयार किया जा रहा है।

ये मल्टी-ईयर प्रोजेक्ट इलाके में हजारों हुनरमंद लोगों के लिए नए रोज़गार के मौके लेकर आएगा।

दुनिया की सबसे बड़ी इंडिपेंडेंट इंटीग्रेटेड मीडिया सर्विस कंपनी प्राइम फोकस ग्रुप ('द ग्रुप') ने आज महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ऐलान किया है कि वो मुंबई में, भारत के फिल्म मेकिंग इंडस्ट्री के दिल में, एक नया ग्लोबल एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन तैयार करने जा रहे हैं।

इस ऐलान में बताया गया है कि प्राइम फोकस ग्रुप और महाराष्ट्र सरकार मिलकर करीब 3000 करोड़ रुपए (लगभग 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का निवेश करने जा रहे हैं, जिससे मुंबई में एक नया एंटरटेनमेंट इकोसिस्टम विकसित होगा। ये जगह दुनिया भर के कंटेंट क्रिएटर्स, टूरिस्ट्स और एंटरटेनमेंट के शौकीनों के लिए एक खास डेस्टिनेशन बनेगी, और साथ ही इस प्रोजेक्ट से इलाके में हजारों हाई-स्किल्ड नौकरियां भी पैदा होंगी।

प्राइम फोकस की शुरुआत 1997 में उसके फाउंडर नमित मल्होत्रा ने की थी। ये कंपनी भारत के नेशनल और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड है। प्राइम फोकस ग्रुप के अंतर्गत आठ बार अकादमी अवार्ड? जीतने वाली विजुअल इफेक्ट्स और एनीमेशन कंपनी DNEG, AI टेक्नोलॉजी कंपनी BRAHMA और कंटेंट फाइनेंसिंग और प्रोडक्शन कंपनी प्राइम फोकस स्टूडियोज भी शामिल हैं।

नए साइट पर जो सुविधाएं दी जाएंगी, वो हैं

- कंटेंट क्रिएशन के लिए शानदार प्रोडक्शन स्टूडियो, जो नई और स्मार्ट डिजिटल टेक्नोलॉजी से लैस होंगे
- एक ग्लोबल एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन का बनना, जिसमें लाइव शो, थीम पार्क्स और मजेदार अनुभव देने वाले सेंटर होंगे
- और लाइफस्टाइल के अनुभव, जैसे शॉपिंग और खाने-पीने की जगहें, अच्छे होटल, घर और और भी बहुत कुछ।

प्राइम फोकस ग्रुप पहले ही मुंबई में एशिया की सबसे बड़ी प्रोडक्शन फैसिलिटी का मालिक है और उसे ऑपरेट करता है, जिसमें 200,000 स्क्वायर फीट के स्टूडियो कॉम्प्लेक्स में आठ हॉलीवुड-डिज़ाइन किए गए साउंडस्टेज़ शामिल हैं। ग्रुप की पोस्ट-प्रोडक्शन फैसिलिटी, जिसमें उसका DNEG मुंबई स्टूडियो भी शामिल है, पास ही स्थित है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और एक बेहतर भविष्य, ये सब महाराष्ट्र के विकास के लिए जरूरी हैं। जैसे हम मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, कोस्टल रोड और वधवन पोर्ट जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, मुझे खुशी है कि इस नए एंटरटेनमेंट हब के निर्माण को भी उन प्रोजेक्ट्स में शामिल किया जा रहा है जो हमारे राज्य को बदल रहे हैं और भारत के विकास में हमें सबसे आगे रख रहे हैं। मैं प्राइम फोकस और छ्हश्वत्र के साथ मिलकर एक बेहतरीन प्रोडक्शन और टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने के लिए तैयार हूं, जिससे मुंबई को फिल्म और एंटरटेनमेंट का प्रमुख केंद्र बनाया जा सके।

प्राइम फोकस ग्रुप के फाउंडर नमित मल्होत्रा ने कहा, इस विकास के लिए मेरी जो सोच है, जो माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के साथ शेयर की गई है, वो हमारी फिल्म इंडस्ट्री की 100+ साल पुरानी धरोहर को मान्यता देना है। हम प्राइम फोकस ग्रुप की कंपनियों की ताकत को मिलाकर - जिसमें DNEG की ऑस्कर-विजेता क्रिएटिविटी, ब्रह्मा की ,ढ्ढ टेक्नोलॉजी और प्राइम फोकस स्टूडियोज की फाइनेंसिंग और प्रोडक्शन की क्षमता शामिल है - दुनिया का सबसे एडवांस और इनोवेटिव कंटेंट क्रिएशन सेंटर बनाना चाहते हैं, जो मुंबई में हमारी फिल्ममेकिंग हेरिटेज के केंद्र में होगा।

मल्होत्रा ने कहा, हमारे देश की क्राफ्टमैनशिप और नएपन का फायदा उठाते हुए, हम सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा कंटेंट बनाने वाला सेंटर नहीं बना रहे हैं; बल्कि हम एक ऐसा जगह भी बना रहे हैं जो भारत की संस्कृति, हमारे इतिहास और हमारी ताकत को पूरी दुनिया के सामने लाएगा, साथ ही शानदार एंटरटेनमेंट और लाइफस्टाइल का अनुभव भी देगा। वह आगे कहते हैं,ये नया सेंटर इस बात की बेहतरीन मिसाल बनेगा कि टेक्नोलॉजी, क्रिएटिविटी और एंटरटेनमेंट के मामले में भारत क्या-क्या कर सकता है। ये जगह दुनिया भर के लोगों के लिए एक मजेदार टूरिज़्म डेस्टिनेशन बनेगी - वो भी दुनिया की सबसे पुरानी फिल्म इंडस्ट्री में से एक, मुंबई के बीचोबीच। हम दुनिया को भारत ला रहे हैं और भारत को दुनिया से जोड़ रहे हैं।

आईपीएल 2025 पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजाएंट्स को 37 रनों से हराया

धर्मशाला,। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 54वें मुकाबले में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजाएंट्स को हाई स्कोरिंग मुकाबले में 37 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसके पास 11 मैचों में 15 अंक हैं। पंजाब की ओर से मिले 237 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पारी के तीसरे ओवर में ही मिचेश मार्श बिना खाता खोले आउट हो गए। फिर इसी ओवर की पांचवी गेंद पर दूसरे ओपनर एडन मार्करम भी 13 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद टीम को हर थोड़े अंतराल पर झटका लगाता रहा। निकोलस पूरन ने 6 रन, कप्तान ऋषभ पंत 18 रन, डेविड मिलर 11

बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि टीम के लिए थोड़ा संघर्ष आयुष बडोनी और अब्दुल समद ने किया। जिन्होंने छठे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की। अब्दुल समद 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बडोनी ने आवेश खान के साथ 34 रन की एक छोटी पार्टनरशिप की लेकिन वह नाकाफी रही। लखनऊ की टीम 20 ओवर में 199 रन ही बना सकी। बडोनी ने 74 रन की पारी खेली, जबकि आवेश खान 19 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन और अजमतुल्लाह ओमरजाई ने दो विकेट चटकाए। जबकि मार्को यानसेन और यजुवेंद्र चहल को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 236 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंजाब के लिए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 91 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने जोश इंग्लिश (30 रन) और कप्तान श्रेयश अय्यर (45 रन) का भरपूर साथ मिला। वहीं, आखिर में शशांक सिंह ने 15 गेंदों में 33 रन और मार्कस स्टॉयनिश ने 5 गेंदों में 15 रन जड़कर टीम के स्कोर को 236 तक पहुंचा दिया।लखनऊ के लिए आकाश सिंह और दिग्वेश राठी को दो-दो सफलता मिली। जबकि प्रिंस यादव के खाते में एक विकेट आया।

मेड्रिड ओपन 2025: कैस्पर रूड ने जैक ड्रेपर को हराकर जीता पहला मास्टर्स खिताब

नार्वे के कैस्पर रूड ने मेड्रिड ओपन 2025 में अपने करियर का पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता

फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर को 7-5, 3-6, 6-4 से हराया

रूड ने चोट के बावजूद दिखाया दम, पहले ही मेडवेडेव, फिट्ज और सेरुंडोलो को हराया

मैड्रिड। नॉर्वे के टेनिस स्टार कैस्पर रूड ने रविवार देर रात को मेड्रिड ओपन 2025 का खिताब जीतते हुए इतिहास रच दिया। 14वीं वरीयता प्राप्त रूड ने खिताबी मुकाबले में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 7-5, 3-6, 6-4 से मात दी। यह रूड का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। 26 वर्षीय रूड ने इस खिताब को अपने 18वें क्लेकोर्ट फाइनल में हासिल किया।

चोट के बावजूद दिखाया जज्बा, दिग्गजों को दी मात रूड ने सेमीफाइनल में पसली में चोट लगने के बावजूद दमदार प्रदर्शन किया और ड्रेपर को हराकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने टेलर फ्रिट्ज, दानिल मेदवेदेव और फ्रांसिस्को सेरुंडोलो जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को हराया था।

ड्रेपर से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी पहले सेट में रूड 3-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने दो बार ड्रेपर की सर्विस तोड़कर सेट 7-5 से अपने नाम किया। हालांकि ड्रेपर ने दूसरा सेट 3-6 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। तीसरे सेट में रूड ने 3-2 की बढ़त बनाते हुए अंत में 6-4 से सेट और मैच अपने नाम कर लिया।

ड्रेपर बने वर्ल्ड नंबर 5, रूड को दी बधाई हालांकि जैक ड्रेपर को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अब आज जारी होने वाली नई एटीपी रैंकिंग में करियर की सर्वोच्च रैंकिंग यानी विश्व नंबर 5 पर पहुंच जाएंगे। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, कैस्पर, तुम्हें बहुत-बहुत बधाई। तुमने मुश्किल पलों में मुझसे ज्यादा हिम्मत दिखाई। यह खिताब तुम्हारे मेहनत का फल है।

एफ1 मियामी जीपी 2025: पियास्त्री ने लगाई जीत की हैट्रिक

मियामी, ऑस्कर पियास्त्री ने रविवार को मियामी ग्रां प्री जीतकर न केवल अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की, बल्कि मैकलॉरेन टीम को भी एक और यादगार वन-टू फिनिश दिलाया। चौथे स्थान से रेस शुरू करने वाले ऑस्ट्रेलियाई ड्राइवर ने शानदार तरीके से आगे बढ़ते हुए जीत दर्ज की और अब वह चैंपियनशिप में टीममेट लैंडो नॉरिस से 16 अंकों से आगे हैं। दो साल पहले मियामी में सबसे धीमी टीम कही जाने वाली मैकलॉरेन ने अब वही रेस 35 सेकंड से ज्यादा के अंतर से जीत ली। पियास्त्री ने जीत के बाद कहा, फ्रयह अविश्वसनीय है कि हम वहीं हैं जहां पहले हम लैप डाउन होते थे।

वेरस्टैपेन की पोल से जीत न होने की परंपरा बरकरार रेड बुल के मौजूदा चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन पोल पोजिशन से रेस शुरू करने के बावजूद चौथे स्थान पर रहे। मैकलॉरेन के दोनों ड्राइवरों ने उन्हें ओवरटेक किया और मियामी में पोल पोजिशन से जीत नहीं होने की परंपरा को कायम रखा।

मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन वह भी विजेता से 37.644 सेकंड पीछे रहे। विलियम्स के एलेक्स एल्बोन पांचवें स्थान पर रहे, जबकि मर्सिडीज के किमी एंटोनेली और फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर व लुईस हैमिल्टन क्रमशः छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे।

रेस की शुरुआत में ही नॉरिस और वेरस्टैपेन की भिड़ंत रेस की पहली लैप में ही रोमांच देखने को मिला जब लैंडो नॉरिस और मैक्स वेरस्टैपेन के बीच टर्न-2 पर टक्कर हुई, जिससे नॉरिस को ट्रैक से बाहर जाना पड़ा और तीन स्थानों का नुकसान हुआ। हालांकि, स्टीवर्ड्स ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की।

नॉरिस ने कहा, अगर मैं आगे नहीं जाता तो लोग शिकायत करते, और अगर जाता हूं तो भी शिकायत होती है। मैक्स के साथ तो या टक्कर होगी या ओवरटेक नहीं हो पाएगा।

फ्लॉलेस ड्राइव से पियास्त्री ने रचा इतिहास पियास्त्री ने एंटोनेली को लैप-4 में ओवरटेक किया और फिर वेरस्टैपेन को भी पीछे छोड़ा। नॉरिस ने भी शानदार वापसी करते हुए लैप-17 तक वेरस्टैपेन को पार किया और दूसरे स्थान पर आए। रेस के दौरान तीन बार वर्चुअल सेफ्टी कार आई, जिसमें अल्पाइन, हास और सोबर की गाड़ियों ने रेस छोड़ी।

लेडी गागा के रियो कॉन्सर्ट में विस्फोट की साजिश नाकाम, दो आरोपित गिरफ्तार

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील की पुलिस ने पॉप स्टार लेडी गागा के रियो डी जेनेरियो में आयोजित ऐतिहासिक मुफ्त कॉन्सर्ट में विस्फोट करने की साजिश रचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कॉन्सर्ट शनिवार को कोपाकबाना बीच पर आयोजित किया गया था, जिसमें अनुमानित 25 लाख से अधिक प्रशंसक शामिल हुए थे।

ब्राजीलियाई अधिकारियों के अनुसार, संदिग्धों को कॉन्सर्ट से कुछ घंटे पहले गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि कार्यक्रम बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ, जिससे कुछ लोगों ने खतरे की गंभीरता पर सवाल उठाए। आमतौर पर इस प्रकार के बड़े आयोजनों में सुरक्षा चिंताओं के चलते कार्यक्रम रद्द कर दिए जाते हैं, जैसा कि पिछले वर्ष विएना में टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट के साथ हुआ था।

पुलिस ने तत्काल साजिश की जानकारी सार्वजनिक नहीं की ताकि घबराहट और अफवाहों से बचा जा सके। रविवार को लेडी गागा की टीम ने एक बयान जारी कर बताया कि उन्हें इस साजिश की जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स से ही मिली। बयान में कहा गया, शो से पहले और इसके दौरान सुरक्षा को लेकर कोई जानकारी या पुलिस की ओर से कोई सतर्कता नहीं दी गई थी। लेकिन टीम ने आयोजन की योजना और निष्पादन के दौरान सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया था।

राज्य पुलिस और ब्राजील के न्याय मंत्रालय ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों का संबंध एक ऐसे समूह से है जो एलजीबीटीक्यू+ समुदाय और अन्य वर्गों के खिलाफ घृणा फैलाने वाला भाषण प्रसारित करता है। यह समूह सोशल मीडिया पर पहचान बनाने के लिए इस हमले को सामूहिक चुनौती के रूप में अंजाम देना चाहता था। पुलिस के अनुसार, यह समूह ऑनलाइन किशोरों के बीच हिंसक विचारधारा को फैलाकर उन्हें अपने साथ जोड़ता है।

अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हो सकते हैं स्टीफन मिलर

राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा, अगला चुनाव लड़ने से भी इनकार, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को न हटाने का वादा

वाशिंगटन। अमेरिका के अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्टीफन मिलर हो सकते हैं। वह इस समय वह व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मिलर का आधिकारिक नामांकन छह माह के भीतर घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं है। न ही अपने मौजूदा कार्यकाल में फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को हटाएंगे।

एबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को मीट द प्रेस में और भी कई बातों पर चर्चा की। उन्होंने कहा,%% मुझे यह नहीं पता कि संविधान का पालन करना चाहिए या नहीं। कानून का पालन करने के लिए मुझे अपने वकीलों पर निर्भर रहना होगा।%% हालांकि इस दौरान ट्रंप ने कहा कि उनके पास शानदार वकील हैं। वह स्पष्ट रूप से सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है उसका पालन करेंगे।

ट्रंप ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति के रूप में तीसरा कार्यकाल नहीं चाहेंगे।उन्होंने कहा कि वह 2026 में अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल को नहीं हटाएंगे। ट्रंप ने रविवार शाम एयर फोर्स वन में पत्रकारों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन अच्छे न्यायाधीशों को नियुक्त करने के प्रयास कर रहाहै। देश को ऐसे न्यायाधीशों की आवश्यकता है जो हर एक अवैध अप्रवासी के लिए परीक्षण की मांग न करे।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर को अगला राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाने पर विचार कर रहे हैं। स्टीफन मिलर इस समय अहम पद पर हैं।

ट्रंप ने माइक वाल्ट्ज को पद से हटाने और उन्हें संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित करने के अपने फैसले का भी बचाव किया। वाल्ट्ज के नए नामांकन के बारे में ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि यह एक उच्च पद है। ट्रंप ने कहा कि अगले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के लिए स्टीफन मिलर का आधिकारिक नामांकन छह महीने के भीतर आएगा।

इस्लामाबाद पुलिस ने वकील से की मारपीट शाहराह-ए-दस्तूर में विरोध रैली आज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद की कानूनी बिरादरी ने आज मुल्क की पुलिस के खिलाफ विरोध रैली के आयोजन की घोषणा की है। वकीलों की मांग है कि वरिष्ठ अधिवक्ता अदनान अब्बासी के साथ की गई मारपीट की घटना में शामिल पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

पाकिस्तान के समाचार द नेशन की खबर के अनुसार, इस्लामाबाद बार काउंसिल (आईबीसी), इस्लामाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (आईएचसीबीए) और इस्लामाबाद बार एसोसिएशन (आईबीएस) आज सबसे पहले आईएचसी भवन में एक आम सभा की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद शाहराह-ए-दस्तूर में विरोध रैली आयोजित की जाएगी। यह जानकारी इस्लामाबाद बार काउंसिल के उपाध्यक्ष नसीर अहमद कियानी ने दी। उन्होंने कहा कि आईबीसी के सदस्यों ने इस्लामाबाद जिला न्यायालयों में हुई दुर्भाग्यपूर्ण और गैरकानूनी घटना की कड़ी निंदा की।

इस्लामाबाद बार काउंसिल ने मांग की है कि इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक दोषी अधिकारियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करें और उन्हें सक्षम न्यायालय के समक्ष तुरंत पेश करें। इस्लामाबाद बार काउंसिल ने कहा है कि संगठन अधिवक्ता अदनान अब्बासी के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है।

भारत से तनाव के बीच पाकिस्तान के 12 सैन्य अफसर ट्रेनिंग के लिए नेपाल पहुंचे, रक्षा विशेषज्ञ आश्चर्यचकित

काठमांडू। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जारी तनाव के बीच पाकिस्तान की सेना के 12 अधिकारी 12 दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण के लिए काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाली सेना ने एक बयान में कहा कि यह अधिकारी पाकिस्तान सेना के नेशनल सिक्योरिटी एंड वार कॉलेज के हैं। पाकिस्तान के नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के मातहत रहे यह अधिकारी एयर कोमोडोर साद मंसूर अंसारी के नेतृत्व में नेपाल आए हैं। नेपाली सेना के माउंटेन वारफेयर कॉलेज में इन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के बाद नेपाल ने आतंकवाद के मसले पर भारत को अपना पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। मगर इस घटनाक्रम से उसकी घोषणा पर सवाल खड़े हुए हैं। स्थानीय नागरिक पहलगाम हमले से खफा हैं। नेपाल में लगातार पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन भी हो रहा है। लोग पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के फैसले से आश्चर्यचकित हैं।

नेपाली सेना के अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर जनरल विनोज बस्नेत ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस तरह के तनाव के बीच नेपाल द्वारा पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को बुलाना रणनीतिक रूप से सही नहीं है।

रोमानिया में राष्ट्रपति चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए मतदान

राजनीतिक संकट के बीच लोकतंत्र की परीक्षा

बुखारेस्ट। रोमानिया में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव की पुनरावृत्ति के लिए मतदान संपन्न हुआ, जो देश के हाल के दशकों के सबसे बड़े राजनीतिक संकट के बाद कराया गया।

यूरोपीय संघ और नाटो सदस्य देश रोमानिया में यह चुनाव उस समय दोबारा कराया गया जब पिछले वर्ष हुए चुनाव को अदालत ने चुनावी गड़बड़ियों और रूस की कथित दखलंदाजी के चलते अमान्य घोषित कर दिया था। हालांकि, रूस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है।

चुनाव आयोग के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे मतदान समाप्त होने के साथ ही मतगणना का कार्य शुरू हो गया। प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक लगभग 95.7 लाख मतदाताओं, यानी कुल योग्य मतदाताओं के 53.2 प्रतिशत, ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विदेशों में बनाए गए मतदान केंद्रों पर भी लगभग 9.73 लाख मत डाले गए।

इस पुनर्निर्वाचन में कुल 11 उम्मीदवारों ने भाग लिया और अब 18 मई को होने वाले संभावित दूसरे दौर की तैयारी शुरू हो गई है। जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कट्टर राष्ट्रवादी और दूर-दराज़ विचारधारा वाले उम्मीदवार जॉर्ज सिमियन का दूसरे दौर में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि उनका मुकाबला या तो बुखारेस्ट के मेयर निकुसोर डैन या सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार क्रिन एंटोनेसकु से हो सकता है।

चुनाव के दौरान सिमियन ने पूर्व उम्मीदवार कैलिन जॉर्जेस्कु के साथ राजधानी बुखारेस्ट के एक मतदान केंद्र पर उपस्थित होकर कहा, हमारा मिशन स्पष्ट है- संवैधानिक व्यवस्था की वापसी और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना। मेरा एकमात्र लक्ष्य है कि रोमानियाई जनता के लिए पहला स्थान सुनिश्चित किया जाए।

वहीं, चुनाव से बाहर किए गए कैलिन जॉर्जेस्कु ने इस पुन: चुनाव को एक संगठित धोखाधड़ी करार देते हुए कहा कि यह उन लोगों द्वारा रचा गया है जो धोखे को राज्य की नीति बना चुके हैं। बावजूद इसके उन्होंने लोकतंत्र की ताकत और मत की शक्ति को स्वीकार करने की बात भी कही।

व्यापार

अजीबोगरीब बिजनेस...हॉट बेडिंग...

महिला अपने बेड का एक हिस्सा अजनबियों को दे रही किराए पर

नई दिल्ली। दुनिया में पैसा कमाने के तरीके कितनी तेजी से बदल रहे हैं, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि एक महिला अब अपने बेड का एक हिस्सा अजनबियों को किराए पर देकर, उनसे महीने का हजारों रुपये ले रही है। सबसे बड़ी बात कि इस बिजनसे का एक नाम भी है, जिसे हॉट बेडिंग कहा जाता है। द मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड की रहने वाली 38 साल की बिजनेस वुमन मोनिक जेरमाया आजकल एक अजीब लेकिन दिलचस्प ट्रेंड से सुर्खियों में हैं। वो हर महीने करीब एयूजी 985 यानी 54,000 सिर्फ इसीलिए कमा रही हैं, क्योंकि वो अपने बिस्तर का एक हिस्सा अजनबियों को किराए पर देती हैं. इस कॉन्सेप्ट में दो लोग एक ही बिस्तर पर सोते हैं, लेकिन बिना किसी रोमांटिक या फिजिकल रिलेशनशिप के। यानी सिर्फ एक-दूसरे की मौजूदगी में रात गुजारना, ताकि दोनों को थोड़ी कंपैनियनशिप मिले और जरूरत हो तो पैसे भी। मोनिक कहती हैं कि यह तभी कारगर है जब दोनों व्यक्ति एक-दूसरे की पर्सनल स्पेस की इज्जत करें और नियमों का पालन करें। साल 2020 की महामारी के दौरान जब दुनिया लॉकडाउन में थी, तब मोनिक की जिंदगी भी बिखर रही थीष उनका एजुकेशन बिजनेस ठप हो गया था, अकेलापन भी बढ़ रहा था। उसी समय उन्होंने कुछ हटकर सोचने का फैसला लिया। उनका कहना है कि मेरी जिंदगी मेरे हाथों से फिसल रही थी। मुझे कुछ नया करना ही था और तभी मेरे दिमाग में हॉट बेडिंग का आइडिया आया। इस अजीबोगरीब पहल की शुरुआत मोनिक ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड से की। उन्होंने एक साल बाद अचानक उन्हें कॉल किया और पूछा कि क्या तुम कोविड मेरे साथ गुजारना चाहोगे? हैरानी की बात यह रही कि जवाब हां में मिला! यहीं से उनके इस बिजनेस की शुरुआत हुई। मोनिक साफ कहती हैं कि यह तरीका उनके जैसे लोगों के लिए है जो सपियोसेक्सुअल हैं। यानी जिन्हें मानसिक जुड़ाव शारीरिक रिश्तों से ज्यादा पसंद है। वो कहती हैं कि यह एकदम परफेक्ट सेटअप है, खासकर तब जब आप इंटिमेसी के बजाय सिर्फ कंपैनियनशिप चाहते हों। उनका कमरा किसी फाइव स्टार होटल के कमरे जितना बड़ा और आरामदायक है, ताकि दोनों लोगों को पर्याप्त स्पेस मिले। 2023 में मोनिक ने यह भी बताया कि अब वो हॉट बेडिंग का साप्ताहिक किराया 14,272 रुपये करने जा रही हैं। इसकी वजह है ऑस्ट्रेलिया में लगातार बढ़ती महंगाई। वो कहती हैं कि इस वक्त हॉट बेडिंग जैसे साइड-हसल्स ही लोगों को राहत दे सकते हैं। इस व्यवस्था में मोनिक स्पष्ट करती हैं कि यह केवल एक प्लैटोनिक (गैर-रोमांटिक) व्यवस्था है। वह सुनिश्चित करती हैं कि बेड शेयर करने वाले व्यक्ति सम्मानजनक और सीमाओं का पालन करने वाले हों। उनके अनुसार, हॉट बेडिंग उन लोगों के लिए उत्कृष्ट है जो भावनात्मक रूप से अलग होने और पूरी तरह से सम्मानजनक और गैर-बंधे हुए तरीके से किसी अन्य व्यक्ति के बगल में सोने में सक्षम हैं। मोनिक का मानना है कि यह तरीका न केवल आर्थिक रूप से लाभदायक है, बल्कि अकेलेपन से निपटने का भी एक उपाय है। वह कहती हैं कि जब आप किसी के साथ सो सकते हैं, जो आपके समान अनुशासन और प्रेरणा रखता है, तो अकेले क्यों सोएं? हॉट बेडिंग का यह कॉन्सेप्ट अब ऑस्ट्रेलिया में लोकप्रिय हो रहा है, विशेषकर उन लोगों के बीच जो बढ़ती जीवन लागत के कारण नए और अनोखे आय स्रोतों की तलाश में हैं। मोनिक की यह पहल दिखाती है कि कैसे नवाचार और साहसिक सोच से कठिन समय में भी नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। मोनिक ने बताया कि यह व्यवस्था उन लोगों के लिए बनाई गई थी, जो महंगे किराए के कारण बेसमेंट या भीड़भाड़ वाले घरों में रहने को मजबूर हैं। उनके अनुसार, यह न केवल उनकी आर्थिक मदद करता है, बल्कि किराएदारों को भी सस्ता और आरामदायक विकल्प देता है। कई लोगों ने इस कॉन्सेप्ट को असुरक्षित और अनैतिक बताया, खासकर महिलाओं के लिए। आलोचकों का कहना है कि अनजान लोगों के साथ बेड शेयर करना न केवल शारीरिक सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकता है। दूसरी ओर, कुछ महिलाओं ने दावा किया कि वे भी हॉट बेडिंग के जरिए पैसे कमा रही हैं, और सही नियमों के साथ यह सुरक्षित हो सकता है।

सोने के भाव में तेजी, चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली, 05 मई (हि.स.)। पिछले कुछ दिन से लगातार गिरावट का सामना करने के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 200 रुपये से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये से लेकर 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,750 रुपये से लेकर 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 95,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569